राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार,19 जुन2020 वर्ष–2, अंक –106 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेलंगाना स्थित घर पहुंचा तिरंगे में लिपटा शहीद का पार्थिव शरीर,

गर्व से लगे नारे संतोषबाबू अमर रहें

हैदराबाद (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में भारत की सीमा की रखवाली करते हुए शहीद हुए कर्नल संतोष बाबू का पार्थिव शरीर जब बुधवार देर रात उनके घर विद्यानगर पहुंचा तो वहां उमड़ी भीड़ की आंखों में नमी तो थी, लेकिन उससे कहीं ज्यादा गर्व से उनके सीने चौड़े थे। सेना के जवान ऐंबुलेंस से तिरंगे में लिपटे इस वीर के पार्थिव शरीर को बाहर ला रहे थे, उस वक्त सारा माहौल 'संतोष बाबू अमर रहें' के नारे से गूंज रहा था।

कर्नल उन 20 जवानों में से एक थे जो गलवान घाटी में चीन के साथ खूनी संघर्ष के दौरान शहीद हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर नई दिल्ली से विशेष विमान से हैदराबाद के पास हकीमपेट एयरफोर्स बेस पर रात 8 बजे पहुंचा। तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसई सौंदर्राजन और तेलंगाना के आईटी और इंडस्ट्रीज मिनिस्टर केटी रामा राव एयरपोर्ट पर पहुंचे लोगों में से थे जिन्होंने कर्नल संतोष के अंतिम दर्शन किए। इसके बाद उन्हें विद्यानगर लाया गया। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि कर्नल संतोष की शहादत को देश याद रखेगा।

हकीमपेट से सड़क के रास्ते कर्नल को उनके घर लाया गया। ऐंबुलेंस के रास्ते में हाथों में तिरंगा लेकर खड़े लोग फूलों की बरसात करते रहे। ऐंबुलेंस में कर्नल की

पत्नी संतोषी और बच्चे भी साथ थे। हकीमपेट एयरफोर्स स्टेशन पर सीनियर सरकारी अधिकारी और तेलंहाना हेडक्वॉर्टर के मिलिट्री कर्मियों ने पार्थिव शरीर को सैन्य सम्मान के साथ रिसीव किया। तेलंगाना में कई जगह लोगों ने और राजतीनिक कार्यकर्ताओं ने सैन्य अफसर को फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

लोग 'सैनिकों को सलाम' के पोस्टर लेकर खड़े थे, तो कहीं 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए जा रहे थे। सूर्यपेट के कलेक्टर टी विनय कृष्ण रेड्डी ने बताया, 'अंतिम संस्कार परिवार की जमीन पर गुरुवार को होगा। परिजन सुबह सभी काम करेंगे। उसके बाद सैन्य सम्मान के तहत अंतिम संस्कार होगा। अंतिम संस्कार के दौरान सिर्फ 50 लोगों को रहने की इजाजत होगी। मीडिया के लिए अलग से सेक्शन बनाया जाएगा।'

मिल सकती है गर्मी से राहत–अगले कुछ घंटों में यूपी के कई जिलों में आंधी–बारिश की चेतावनी

लखनऊ। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है। वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़, प्रयागराज, प्रतापगढ़ सहित कई जिले इससे प्रभावित हो सकते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो-तीन दिनों में मानसून राज्य के सभी हिस्सों में भी पहुंच सकता है। विभाग के अनुसार प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों के दरम्यान राज्य के विभिन्न हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी आने और गरज चमक के साथ बारिश होने और कहीं-कहीं भारी बारिश होने के आसार जताए गए हैं। आज के अलावा 20 व 21 जून को प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। राज्य में मानसून की आमद के साथ ही किसानों की सक्रियता बढ़ गई है। अब जहां-जहां अच्छी बारिश होने लगी है और खेत लबालब भर गए हैं। वहां धान की रोपाई भी तेजी से शुरू हो गई है।

बुधवार को भी हुई थी बारिश–प्रदेश के पूर्वी हिस्सों पर मानसून मेहरबान है। मंगलवार की शाम से लेकर बुधवार की सुबह के दरम्यान राज्य के पूर्वी हिस्सों में कहीं सामान्य तो कहीं भारी बारिश हुई। इस अवधि में पश्चिमी यूपी के भी कुछ हिस्सों में बारिश हुई या गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं। प्रदेश में सबसे अधिक 33 सेंटीमीटर बारिश बस्ती में रिकार्ड की गई। इसके अलावा हैया में 12, बांसी में 9, तरबगंज, सिराथू में 8-8, अयोध्या, अकबरपुर, चन्द्रदीपघाट, गोण्डा, भिंगा में 7-7, बहराईच, प्रयागराज में 6-6, बीकापुर, में 5 से.मी. बारिश रिकार्ड की गई। मौसम निदेशक जेपी गुप्त का कहना है कि प्रदेश में मानसून के आगे बढ़ने की अनुकूल स्थतियां बनी हुई हैं।

चीनी धोखे के जवाब में LAC पर बदल सकती है भारतीय सेना की रणनीति

नई दिल्ली

गलवान घाटी में खूनी संघर्ष के बाद भारत सेना अपनी रणनीति में कई किस्म के बदलाव कर सकती है। सबसे अहम बदलाव यह हो सकता है कि एलएसी पर बिना हथियार के पेट्रोलिंग शायद अब नहीं की जाए। सोमवार की रात हुए खूनी संघर्ष में बड़ी संख्या में भारतीय जवानों के मारे जाने और हताहत होने के दो प्रमुख कारणों में एक उनका हथियारबंद नहीं होना तथा दूसरे वहां की विषम भौगोलिक परिस्थितियों का होना है।

सेना से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 1996 के एक समझौते के तहत एलएसी के दो किमी के दायरे में बंदूक आदि के इस्तेमाल पर रोक है। इसलिए सेना की टुकड़ियां पेट्रोलिंग के दौरान हथियार नहीं ले जाती हैं। हालांकि समझौते में यह स्पष्ट नहीं है कि हथियार लेकर भी नहीं जाना है। लेफ्टनेंट जनरल (रिटायर्ड) राजेन्द्र सिंह के अनुसार

चूंकि इस्तेमाल नहीं किया जाना है। इसलिए सैनिकों को ले जाने की मनाही है ताकि वे झड़प होने पर जोश में इस्तेमाल न कर बैठें। लेकिन जिस प्रकार चीनी सैनिकों ने राड और कटीले तारों से हमला किया है, वह समझौते का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे में यह समझौता भी अब बेमानी है।

सेना के सूत्रों के अनुसार, झड़प के दौरान ज्यादातर जवानों की संकरे स्थान से नीचे गलवान नदी में गिरने से मौत हुई। कुछ मंगलवार की सुबह घायल मिले थे, लेकिन बाद में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। तीसरे, खूनी संघर्ष के दौरान चीनी सैनिक ज्यादा थे और ऊंचाई पर थे और उनके पास राड, कंटीले तार आदि थे। इसलिए यह माना जा रहा है कि वे पहले से संघर्ष के लिए तैयार थे। सबसे पहले उन्होंने कमांडिंग अफसर और दो सैनिकों पर हमला किया। सेना दोबारा ऐसे हालात से भी निपटने की तैयारी में जुट गई है।

इस घटना के बाद हालांकि विदेश मंत्रियों के बीच बात हुई लेकिन उस क्षेत्र में सेना को अलर्ट पर है। सेना को अलर्ट पर रखा गया है। रक्षा विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल राजेन्द्र सिंह कहते हैं कि ऐसी स्थिति में सेना जवाबी कार्रवाई कर सकती है। उस इलाके में किसी दूसरे स्थान पर भारतीय सैनिक घेरा डाल सकते हैं, दूसरे जगहों पर चीनी सैनिकों को खदेड़ने की कार्रवाई हो सकती है। एक विकल्प यह भी है कि वह जिस प्रकार चीन ने एलएसी के करीब निर्माण किया है, उसी प्रकार भारतीय पक्ष भी कर सकता है। सीमित युद्ध का विकल्प भी ऐसे मामले में सेना खुले रखती है।

भारत चीन सीमा पर शहीद हुए सुनील कुमार की अंतिम यात्रा पर उमड़ी भीड़, भारत माता की जय के नारे लगे

बिहटा। लद्दाख के गलवान घाटी पर चीनी सैनिक के साथ झड़प में शहीद हुए बिहटा (बिहार) के हवलदार सुनील कुमार की अंतिम यात्रा गुरुवार सुबह पैतृक गांव से निकाली गई। इस दौरान इससे पहले सुनील कुमार का पार्थिव शरीर गुरुवार तड़के सुबह उनके घर सिकरिया के तारापुर गांव पहुंचा। इस दौरान शहीद सुनील कुमार अमर रहें और भारत माता की जय के नारों से पूरा गांव गूंज उठा। परिजनों की आंख में आंसू थे लेकिन सीना चौड़ा था क्योंकि उनके सपूत ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। घर पर पहुंचे सेना के अधिकारियों ने आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के बाद शहीद के शव को उनके परिजनों को सौंप दिया।

शहादत का बदला कब लेगी सरकार

शहीद सुनिल के पिता वासुदेव की जुबान पर गम और गुस्सा दोनों था। गम इस बात का कि उन्होंने एक देशभक्त बेटे को खोया और गुस्सा इस बात का आखिर ये कब तक। पिता की जुबान मौत की खबर मिलने के बाद मौन है। अब शायद सरकार से उनका सवाल यही होगा कि उनके बेटे की मौत का बदला सरकार कब लेगी। यही नहीं देश पर मर मिटने वाले ऐसे बीसों भारतीय सपूतों के परिजनों का भी यही सवाल होगा। शहीद के घर पर मौजूद हर शख्स यही सवाल करता रहा। शहीद सुनील के गांववालों को अपने लाल की शहादत पर गर्व है। तभी तो गांव के युवाओं की टोली जोश में उनके घर के बाहर तिरंगा लहराती रही।

24 घंटे में देश में मिले करोना के 12881 केस, 334 मरीजों की मौत

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस के 12881 केस मिले हैं इसके साथ ही देश में अब कुल 366946 केस हो गए हैं। कल 334 लोगों की मौत हो गई और मृतकों की कुल संख्या 12237 हो गई है। इस दौरान देश में 7390 लोग रिकवर हुए और अब तक कुल 194325 लोग इस बीमारी को मात दे चुके हैं। देश में अब 160384 एक्टिव केस हैं।

मंत्रालय के अनुसार, संक्रमण के सर्वाधिक मामले महाराष्ट्र में हैं। इसके बाद तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्य हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 116752 हो गई है। वहीं 59166 कोरोना को मात दे चुके हैं और 5651 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है। वहीं महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु का नंबर आता है जहां कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 50193 हो गई है। यहां 576 लोगों की मौत हुई है और 27624 मरीज रिकवर हो चुके हैं।

तमिलनाडु के बाद तीसरे पायदान पर दिल्ली और चौथे पर गुजरात है। दिल्ली में कोरोना से महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा 1904 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं कोरोना के 47102 मामले हैं जिसमें से 17457 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। गुजरात में कोरोना के 25093 कुल मामले में हैं जिनमें से 6103 एक्टिव केस हैं। यहां 1560

लोगों की कोविड 19 से मौत हो चुकी है और 17457 लोग इस बीमारी को मात दे चुके हैं।

अमेरिका, ब्राजील और रूस के बाद इस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत चौथे स्थान पर है। पूरी दुनिया से कोविड-19 के आंकड़ों का संकलन कर रहे जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार इस बीमारी से मरने वालों की संख्या के मामले में भारत 8वें स्थान पर है।

चीन से लगी सभी सीमाओं पर हाई अलर्ट, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल में बढ़ाई गई सैनिकों की तादाद

नई दिल्ली। लद्दाख की गलवान घाटी में चीन की सेना से हिंसक झड़प के बाद भारत-चीन सीमा पर सेना और वायुसेना को हाई अलर्ट पर कर दिया गया है। लद्दाख के अलावा, अरुणाचल, उत्तराखंड, हिमाचल और सिक्किम से जुड़ी सीमाओं पर उच्च स्तर की सतर्कता बरती जा रही है। सूत्रों का कहना है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल बिपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक के बाद अलर्ट का स्तर बढ़ाने का निर्णय लिया गया। सूत्रों ने कहा कि सेना ने अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में अतिरिक्त सैनिकों और हथियारों को अग्रिम मोर्चे के ठिकानों के लिए रवाना कर दिया है। एक सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने

की शर्त पर कहा कि अब आगे से कार्रवाई के लिए नियम अलग होंगे। प्रधानमंत्री ने इस बारे में विस्तृत नीति सामने रखी है। सूत्रों का कहना है कि सेनाएं चीनी पक्ष की ओर से किसी भी आक्रामक कार्रवाई पर सख्ती से जवाब देने का रुख अपनाएंगी। भारत-चीन सीमा पर बने सभी 180 से ज्यादा सीमा चौकी को अलर्ट कर दिया गया है। हाल ही में आईटीबीपी ने लद्दाख में बॉर्डर पोस्ट पर 1500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की थी। सूत्रों के मुताबिक, आईटीबीपी के जवानों ने चीन की हरकत पर नजर रखने के लिए कई जगहों पर लांग रेंज पेट्रिलिंग और शार्ट रेंज पेट्रोलिंग की संख्या बढ़ा दी है। कुछ संवेदनशील जगहों पर खास निगरानी की जा रही है। भारत-चीन सीमा पर कुछ समय पूर्व चीनी सुरक्षा बलों ने लिपुपास को विवादित स्थल बताकर कुछ आपत्तिजनक बैनर लहराए थे। उसके बाद सुरक्षा बलों ने नाभीढांग से लिपुपास के आठ किमी के दायरे में सुरक्षा बढ़ा दी थी।चीन सीमा की सुरक्षा के लिए भारतीय सेना ने भी नाभीढांग से लिपुपास तक आईटीबीपी के साथ संयुक्त कांबिंग (गश्त) शुरू कर दी है। यह कांबिंग दिन रात की जा रही है। रात को नाइट विजन उपकरणों के साथ सुरक्षा बल इस पूरे क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे हैं।वायुसेना और नौसेना भी सतर्कवायुसेना से भी अपने अग्रिम ठिकानों पर अलर्ट बढ़ाने के साथ एलएसी पर सघन निगरानी करने को कहा गया है। भारतीय नौसेना से भी हिंद महासागर क्षेत्र में अलर्ट का स्तर बढ़ाने को कहा गया है, जहां चीनी नौसेना की अक्सर हलचल रहती है।

हरियाणा में हिली धरती, 2.1 की तीव्रता वाले भूकंप के झटके

नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक से 15 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में आज 04:18:30 बजे रिक्टर स्केल पर 2.1 की तीव्रता वाला भूकंप आया। इसकी तीव्रता ज्यादा नहीं थी। इससे पहले बीते 8 जून को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्र में धरती एक बार फिर हिली थी। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो महीनों में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। वहीं इससे पहले 5 जून को झारखंड और कर्नाटक में भी भूकंप आया था। कर्नाटक के हम्पी में सुबह 06:55 बजे रिक्टर स्केल पर 4.0 की तीव्रता के साथ भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। वहीं, झारखंड के जमशेदपुर में इसी समय रिक्टर स्केल पर 4.7 की तीव्रता वाला भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर समेत समूचे उत्तर भारत में बीते एक-डेढ़ महीनों के दौरान एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। कोरोना संकट के बीच जब अधिकतर लोग घरों में थे तो बार-बार भूकंप के झटकों ने चिताएं बढ़ाईं लेकिन भूकंप विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे भूकंप से ज्यादा खतरा नहीं है बल्कि ये बड़े भूकंप के खतरे को कम कर सकते हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक बीके बंसल ने हाल में संवाददाता से बातचीत में कहा कि दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत में कई फाल्ट लाइनें गुजरती हैं। इनमें हलचलों से जब ऊर्जा निकलती है तो भूकंप आते हैं।

दिल्ली में तीन से चार दिन पहले पहुंचेगा मानसून, जून 22–23 तक आने की उम्मीद

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कहर के बीच दिल्ली में मौसम खुशखबरी लेकर आई है। इस बार राजधानी में मानसून नीयत समय से तीन-चार दिन पहले ही 22-23 जून को पहुंच जाएगा। आम तौर पर दिल्ली में मानसून का आगमन 27 जून को होता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम बंगाल और ओडिशा में आए चक्रवाती तूफान से हवा का रुख 19 -20 जून तक उत्तर-पश्चमी उत्तर प्रदेश की ओर मुड़ जाएगा। उन्होंने कहा, यह स्थिति मानसून को 22 -24 जून के बीच पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और पूर्वी हरियाणा के कुछ हिस्सों में पहुंचाने में मदद करेगा। इसका मतलब यह है कि हवा प्रणाली तीन से चार दिन पहले ही यानि 22-23 जून को ही राष्ट्रीय राजधानी में पहुंच जाएगी। आईएमडी

● इसका मतलब यह है कि हवा प्रणाली तीन से चार दिन पहले ही यानि 22-23 जून को ही राष्ट्रीय राजधानी में पहुंच जाएगी।

ने इस साल उत्तर-पश्चिमी भारत के लिए सामान्य बारिश (103 प्रतिशत) की भविष्यवाणी की है। श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली में 18 और 19 जून को शुष्क मौसम रहेगा। बुधवार को शहर के अधिकांश स्थानों पर पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। शहर के लिए आंकड़े देनेवाली सफदरजंग वेधशाला ने अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। पूसा और पालम के मौसम केंद्रों में अधिकतम तापमान क्रमशः 42.8 डिग्री सेल्सियस और 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आर्द्रता का स्तर 43 से 77 प्रतिशत के बीच है। विभाग ने गुरुवार को आंशिक रूप से आकाश में बादल छाए रहने और 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के चलने का अनुमान लगाया है। गुरुवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान 41 और 29 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

हजारों करोड़ एनपीए, मगर ब्याज की चिंताः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को कोरोना के मद्देनजर कर्ज अदायगी के स्थगन की अवधि का ब्याज वसूलने के निर्णय पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि यह बेहद निंदनीय है कि हजारों करोड़ रुपये एनपीए (डूबे हुए कर्ज) में चले जाते हैं, लेकिन आप लोगों से ब्याज ले रहे हैं। पीठ ने कहा कि हम इस बात से अवगत हैं कि अगर ब्याज न वसूला गया तो परेशानी होगी लेकिन यह महामारी की सामान्य स्थिति नहीं है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने वित्त मंत्रालय और आरबीआई को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने का निर्देश देते हुए सुनवाई अगस्त के पहले हफ्ते के लिए टाल दी।

सरकार लोगों को राहत दे

शीर्ष अदालत ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) से भी पूछा है कि क्या इस मसले पर नई दिशा–निर्देश जारी करने की गुंजाइश है ? पीठ ने सरकार की खिंचाई करते हुए कहा, अगर कर्ज अदायगी की सुविधा देने की घोषणा की गई थी तो इसका लाभ लोगों को तो मिलना चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ब्याज में छूट से परेशानी इस बात को लेकर है कि कुछ लोगों ने तो अल्प अवधि के लिए लोन ले रखा है, जबकि कुछ लोगों ने हजारों करोड़ रुपये के लोन ले रखे हैं। उन्होंने कहा, बैंकों को भी अपने जमाकर्ताओं को ब्याज देना होता है। उन्होंने फिर से दोहराया कि कर्ज अदायगी को कुछ समय अवधि के लिए निलंबित किया गया है। जिस पर पीठ ने सवाल किया कि विपरीत परिस्थितियों में ब्याज लेने का क्या मतलब है।

बैंकिंग सिस्टम में वित्तीय स्थिरता के आसार पीठ ने कहा कि अगर कर्ज अदायगी को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है तो अथॉरिटी को यह देखने की जरूरत है कि इसका वास्तविक लाभ लोगों को मिल रहा है या नहीं? इस पर मेहता ने कहा कि सरकार और आरबीआई को 133 करोड़ जमाकर्ताओं की चिंता है। अगर ब्याज न लिया गया तो इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ब्याज माफी से बैंकिंग सिस्टम में वित्तीय स्थिरता खतरे में पड़ जाएगी और जमाकर्ताओं के हितों को चोट पहुंचेगी। मालूम हो कि 27 मार्च को आरबीआई ने सर्कुलर जारी कर ईएमआई में तीन महीने के लिए छूट दी थी और बाद में यह छूट और तीन महीने और बढ़ा दी गई थी।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एकता का समय

जिस देश की सीमा पर तनाव हो, उसका एकजुट होना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह एकजुटता देश के जवानों की शहादत का भी सबसे सच्चा सम्मान है। आज जब देश के लोग और तमाम नेता शहीदों का सम्मान कर रहे हैं, उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं, तब यह हमारे लिए देश के पक्ष में विचार करने का सही समय है। ध्यान रहे, चीन के भी जवान शहीद हुए हैं, लेकिन उनके सम्मान के लिए उसके नेताओं के पास दो शब्द भी नहीं हैं। चीन ने कितने जवान खोए हैं, वह शायद ही बताए, लेकिन भारत में एक-एक जवान की जान कीमती है। वाजिब सम्मान के साथ अपने जवानों की शहादत को सदियों तक याद करना हमारी परंपरा रही है। इस परंपरा के सच्चे सम्मान का ही एक बुनियादी व्यवहार हमारी एकजुटता है। आज ज्यादातर राजनीतिक पार्टियों ने अपने आपसी मतभेदों को भुला दिया है और वे सरकार व सेना के साथ खड़ी हैं। सीमा पर होने वाला कोई भी संघर्ष किसी एक नेता या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, देश की जिम्मेदारी है। सैनिक देश की रक्षा की शपथ लेते हैं, देश के लिए जान गंवाते हैं। ऐसे में, हमारे रक्षा मंत्री और अन्य नेताओं ने बिल्कुल सही कहा है, शहादत बेकार नहीं जाएगी। यदि हम वाकई चाहते हैं कि शहादत सार्थक हो, तो हमें सबसे पहले एकजुट होने की जरूरत को महसूस करना होगा। राजनीतिक एकजुटता सबसे जरूरी है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगामी बैठकों का खास महत्व है। ध्यान रहे, चीन के प्रति हमारा सांस्कृतिक-ऐतिहासिक-आर्थिक-राजनीतिक जुड़ाव हमें किसी निर्णय लेने की प्रक्रिया में संकोची बना देता है। हम एक कदम आगे बढ़ाकर दो कदम पीछे खींच लेते हैं, लेकिन हम मिल-जुलकर यह नहीं देखते कि चीन कदम-दर-कदम कहां से कहां पहुंच गया है। हमें एकजुट होकर इस सच को सामने लाना चाहिए। ध्यान रहे, चीन अपने लोगों को यह नहीं बता रहा कि उसने भारत की जमीन पर कहां-कहां, किस-किस आधार पर दावा कर रखा है। वह गलवान घाटी को चीनी क्षेत्र बता रहा है, तो यह जरूरी है कि हम दुनिया को सच बताएं। सख्त शासन की वजह से चीन अपने इतिहास, विरासत व पूर्वजों के विरुद्ध चल रहा है, वरना उसे याद रहता कि चीनी धर्मगुरु कन्फ्यूसियस ने कहा था, 'एकता, वास्तव में, लोगों को अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने की अनुमति देती है, और फिर खुशी हासिल करती है'। चीन एक समय बुद्धमय भी हो गया था, आज भी वहां बुद्ध का बहुत प्रभाव है। उसे सोचना चाहिए कि जिस देश की जमीन पर वह निगाह गड़ाए बैठा है, वह देश उसी बुद्ध का है, जिनके शांति और अहिंसा के संदेश के सामने संसार झुक जाता है। चीन सब भूल गया, पर हमें नहीं भूलना है। सीमा पर तनाव भी हमारे लिए चौतरफा प्रेरणा का समय है। कूटनीतिक, राजनीतिक, सामरिक, आर्थिक, सामाजिक और साथ ही कोरोना के मोर्चे पर भी हमें और एकजुट होकर मुकाबला करना है। 45 साल बाद जो शहादत हुई है, वह चेतावनी है कि हमें अपना रास्ता ठीक कर लेना चाहिए। देशसेवा के प्रति समर्पण के अभाव और एकजुटता की कमी की वजह से ही भारतीय लोकतंत्र की शोभा कम होती है और चीन हमारी खामियों के बहाने ही लोकतंत्र और हमारी ताकत का मखौल उड़ाता है। बेशक, हम एकजुट हुए, तो सबको सही जवाब मिल जाएगा।

नेपाली मन को पढ़ने में चूके हैं हम

मेजर जन. (अ.प्रा.) अशोक मेहता

नेपाल का नया नक्शा संसद द्वारा संवैधानिक संशोधन के जरिए पारित कर दिया गया। भारत का मानना है कि संसद में नये नक्शे का प्रस्ताव पेश करने और इसे जारी करने की लाल लकीर पार करने के बाद नेपाल ने वार्ता के रास्ते बंद कर लिये हैं। इससे पहले नेपाली संसद में सीमा विवाद को लेकर प्रधानमंत्री केपी ओली ने भारत के प्रति काफी भावनात्मक भाषण दिया था, इसमें उन्होंने कहा था कि नेपाल संवाद के लिए सही माहौल बनाना चाहता है और नये नक्शे का प्रस्ताव पेश करना स्थगित किया जा सकता है, यह संकेत देते हुए रुख को नरम किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि सीमा विवाद पर बातचीत कोरोना संकट टल जाने के बाद हो सकती है। लेकिन पिछले साल से, जब से सीमा विवाद पुनः उठ खड़ा हुआ था, इस पर बातचीत हेतु तारीख तय करने को लेकर भारत के टालमटोल वाले रवैये ने नेपाल में क्षेत्रीय राष्ट्रवाद के उद्भव में तेल डालने का काम किया है, जिसका दोहन ओली ने अपने डूबते हुए राजनीतिक करिअर को फिर से उबारने के लिए किया है और इस काम में मौके का अधिक से अधिक फायदा लेते हुए चीन ने मदद की है, जबकि एक समय पर उसके लिए नेपाली की अंदरूनी राजनीति में घुसना बहुत मुश्किल था। जमीनी हकीकत यह है कि भारत और नेपाल ने केवल सुस्ता और कालापानी विवाद को छोड़कर पिछले 26 वर्षों के दौरान आपसी बातचीत में लगभग 98 प्रतिशत मसलों को सुलझा लिया है। दरअसल, भारत ने वार्ता की मेज पर नेपाल को लाने के एक नहीं दो नहीं. बल्कि तीन मौके गंवाए हैं, वरना नेपाल की सड़कों पर भारत विरोधी प्रदर्शनों और संसद में नक्शे को लेकर कानून में संशोधन की नौबत न बनती। इनमें कम से कम दो मर्तबा-2019 के नवंबर-दिसंबर और 2020 के मार्च में-नेपाल में उपस्थित रहते हुए, मैंने कालापानी पर भारत की लंबी चुप्पी साधने से रुष्ट होकर किए गए विरोध और आलोचनात्मक प्रदर्शन देखे हैं। जिस बात ने नेपाल के मीडिया, जनता और राजनीतिक संभ्रांत वर्ग में हालिया भारत-विरोधी लहर को उठाया है, वह है सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा 2 नवंबर, 2019 को प्रकाशित किया गया भारत का नया राजनीतिक नक्शा-जो वास्तव में आठवां अंक है-इसके बाद नौवां अंक वह है, जिसमें जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक दर्जे में आए बदलाव के बाद 8 नवंबर को अगला नक्शा प्रकाशित किया गया था। उक्त दोनों नक्शों में सीमा रेखांकन में बाकी सब तो लगभग एक जैसा है, बस 8 नवंबर वाले नक्शे में काली नदी का नाम नदारद है। एक रेडियो इंटरव्यू के दौरान नेपाल के जाने-माने रेडियो-टीवी पत्रकार ऋषि धमाला ने इसको लेकर मुझसे सवाल किया था। यह बिंदु सीमा विवाद जैसे अत्यंत भावनात्मक मुद्दे में उफान का कारण बनने को काफी था। नक्शे में भारत के गफलत भरे कदम के बाद नेपाल ने विदेश सचिव स्तर की वार्ता की मांग की थी और इस बाबत 20 और 22 नवंबर और फिर 30 दिसंबर को संदेशे भेजे थे। लेकिन नेपाल के अनुसार भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसी बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 मई को लिपुलेख दर्रे से होकर कैलास मानसरोवर तीर्थ और चीन के साथ पुराने व्यापार केंद्र तक जाते संपर्क मार्ग यानी ब्लैकटॉप रोड के निर्माण कार्य का ऑनलाइन उद्घाटन कर दिया। जबकि जहां से होकर यह सड़क बननी है यानी लिम्पियाधुरा-लिपुलेख दर्रा-कालापानी का त्रिभुजाकार क्षेत्र, उसे नेपाल अपना हिस्सा बताकर दावा करता आया है। भारत को 'सोए हुए को सोते ही रहने' देना चाहिए था क्योंकि उक्त सड़क पर काम पिछले एक दशक से ज्यादा समय से चला हुआ है और नेपाल ने कभी इस पर आपत्ति नहीं की थी। इस सड़क मुद्दे ने घरेलू मोर्चे पर बदइंतजामी, राजनीतिक ज्यादतियां और घमंड भरा व्यवहार रखने के कारण बुरी तरह घिरे ओली को जीवनरेखा प्रदान कर दी है। ओली ने अपना राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व सुनिश्चित कर लिया है। 11 मई को नेपाल सरकार ने सड़क के मुद्दे पर काठमांडू स्थित भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा और भारत के विदेश मंत्रालय को राजनयिक पत्र भेजे गए थे। नेपाल के मुताबिक इन पत्रों की पावती जारी नहीं की गई। भारत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस विषय पर वार्ता कोविड संकट टल जाने के बाद हो सकती है। जबकि कायदे से दोनों देशों के विदेश सचिवों के बीच दूरभाष वार्ता की जानी बनती थी। इससे वार्ता की तिथि पर औपचारिकता भी पूरी हो जाती। हालांकि, पिछले नवंबर माह में प्रधानमंत्री ओली ने कहा था कि नेपाल अपना नक्शा नहीं जारी करेगा, लेकिन 13 दिसंबर को उनके भू-प्रशासन एवं सहकारी मंत्री पदम अरियाल ने कहा कि नेपाल नया नक्शा प्रकाशित करेगा। इस वक्तव्य पर तभी भारत को सावधान हो जाना चाहिए था। नेपाली मीडिया के अनुसार इस बात की उम्मीद थी कि 19 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नेपाली समकक्ष ओली को फोन कॉल करेंगे, लेकिन शायद मोदी अपनी व्यस्तता के चलते बात नहीं कर पाए। अगले दिन नक्शा जारी कर दिया गया। तत्पश्चात 26 मई को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इसका अनुमोदन कर दिया गया और 31 मई के दिन संसद में प्रस्ताव रखा गया। 13 जून को संसद में अभूतपूर्व सर्वसम्मति से यह संवैधानिक संशोधन पारित हो गया, इसमें 34 मत नई जनता समाजवादी दल के भी हैं, जिसके अधिकांश सदस्य भारत समर्थक मधेसी सांसद हैं। इस सारे घटनाक्रम पर भारत का मानना है कि नेपाल ने मानचित्र संबंधी आक्रामकता अपनाकर एवं कृत्रिम नक्शा जारी करके वार्ता से पहले ही यथास्थिति को एकतरफा भंग किया है। कनाडा में बसे नेपाली चिंतक नरेश कोइराला ने कहा है कि इतिहास ही बताएगा कि क्या नेपाल द्वारा नया नक्शा जारी करना सीमा विवाद हल करने में एक प्रभावशाली नीति रहा है अथवा एक ऐसा जुआ, जिसका दीर्घकालीन असर भारत-नेपाल रिश्तों पर होगा। निःसंदेह इससे दोनों मुल्कों के बीच रहे सेना-से-सेना विशिष्ट संबंधों को भी चोट पहुंचेगी, साथ ही भारत समर्थक सेवानिवृत्त नेपाली सैनिक समुदाय को अपने लोगों के ताने सहने पड़ेंगे। भारत और नेपाल के सेनाध्यक्षों को एक-दूसरे की यहां मानद जनरल का पद मिलने की परंपरा रही है और नेपाल के राजनीतिक और राष्ट्रीय आपदाओं के समय भारत ही सबसे पहले पहुंचता आया है। नवीनतम घटनाक्रम का असर भारत-नेपाल के बीच मुक्त-सीमा और नेपाली नागरिकों को मिले विशेष अधिकारों पर हो सकता है। हालांकि, दोनों देशों के बीच सदियों से रहा बहुप्रचारित विशेष संबंध दशकों पहले गायब हो चुका है, क्योंकि भारत के कर्णधार गृह-युद्ध के बाद उपजे नए नेपाल की आकांक्षा को पहचानने में असफल रहे थे, न तो वे वैश्विक पहचान बनाने को आतुर नेपाली नागरिकों की महत्वाकांक्षा को और न ही राष्ट्रवादी पुट लिये उस राजनीतिक नेतृत्व को भांप पाए, जिसका झुकाव चीन की ओर था। बंटे हुए विपक्ष के चलते आज नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी वहां पूर्ण नियंत्रण में है और यह स्थिति 2023 के चुनाव तक बनी रहेगी। नये नक्शे के बिना भारत बखूबी गुजारा कर सकता है, हालांकि मनमुटाव का नुकसान दोनों मुलकों को होगा, लेकिन नेपाल पर असर ज्यादा कड़ा रहेगा। अति राष्ट्रवादी भावना अपनाने की कीमत बहुत भारी होगी और इसका मुख्य लाभार्थी चीन रहेगा। नेपाल के अंदर, वर्ष 2015 में संविधान की पुनर्संरचना करते वक्त भारत के प्रभाव से खुद को मुक्त रख पाना और आर्थिक नाकेबंदी को झेल जाने पर जो जोशीला भाव पनपा था, उसका खुमार अभी तक कायम है। तथापि यह फैसला इतिहास करेगा कि क्या भारत वक्त रहते उस स्थिति को संभाल सकता था, जिसकी संभावना नियति बनने की थी।

लेखक सैन्य मामलों पर विशेषज्ञ टिप्पणीकार हैं।

आज के ट्वीट

साबित

एसी कमरे में बैठकर वीडियो शूट करने वाले को क्या पता बॉर्डर के ऊपर दुर्गम घाटियों में देश की सुरक्षा कर रहे सैनिकों का दर्द।यह समय सेना का हौसला बढ़ाने का है राजनीति करने का समय आगे बहुत आएगा। राहुल गांधी जी सेना पर प्रश्नचिन्ह लगाकर क्या साबित करना चाहते हैं. --बबीता फोगाट

ज्ञान गंगा

विचार

श्रीराम शर्मा आचार्य

विचारणाओं भावनाओं की उत्कृष्टता ही मानवीय उत्कर्ष का, अभ्युदय का प्रमुख आधार है। जो इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं, वे अपनी चिन्तन-चेतना को सदैव ऊर्ध्वगामी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। विचार शक्ति की महिमा से अनजान व्यक्ति को जिस-तिस प्रकार अस्त-व्यस्त जीवन जीने को विवश होते और अविकसित मनःस्थिति में ही दम तोड़ते देखा जाता है। विचारों का स्तर विधेयात्मक या निषेधात्मक जैसा भी होगा, व्यक्तित्व भी तदनुरूप ढलता चला जाएगा। विधेयात्मक विचार प्रक्रिया अपनाकर ही आगे बढ़ा और ऊंचा उठा जा सकता है। प्रगति एवं व्यक्तित्व की प्रखरता का सूत्र सादा जीवन तथा उच्च चिन्तन में ही निहित है। मनुष्य में एक विशिष्ट प्रकार की विचार ऊर्जा सतत प्रवाहित होती रहती है। यदि उसे विधेयात्मक एवं रचनात्मक दिशा में मोड़ा-मरोड़ा जा सके, तो मनुष्य सीमित एवं संकुचित दायरे से निकल कर अपने विराट् स्वरूप की झांकी आसानी से व्यक्त कर सकता है। जीवन दर्शन की समस्त संभावनाएं इसी ऊर्जा प्रवाह पर निर्भर करती हैं। सामान्य से असामान्य बना सकने वाला जीवन तत्त्व इसी में विद्यमान है। काय-कलेवर, जिससे आचरण और क्रियाएं सम्पादित होती हैं, विचारों द्वारा ही संचालित होता है। उनके स्तर के अनुरूप ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। जो व्यक्ति रचनात्मक विचारणाओं को जिस अनुपात में अपनाता, संजोता और सक्रिय करता चलता है, उतना ही वह सदाचारी, पुरुषार्थी और परमार्थी बनता जाता है। इसी आधार पर सुख-शांति के अक्षुण्ण बने रहने का आधार खड़ा होता है। विचार प्रवाह के निम्नगामी होने पर व्यक्तित्व के विकास में विघ्न पहुंचता है। इस तरह की विचारधारा को 'डिकोटोमस' अर्थात् विकृत एवं विघटनकारी प्रवाह के नाम से भी जाना जाता है। इस मानसिक रुग्णता की स्थिति में अचिन्त्य चिंतन एवं अनौचित्यपूर्ण क्रियाकलाप के जाल में फंस जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। अज्ञानता-अबोधता और असावधानी से ऐसा हो सकता है, किन्तु तथाकथित सभ्यों को जब ऐसा सोचते और आचरण करते देखा जाता है, जो मानवीय गरिमा और सभ्यता के अनुकूल नहीं होता, तब और भी अधिक आश्चर्य होता है।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

शोध-अनुसंधान की संस्कृति विकसित कीजिए

महेश तिवारी

प्रधानमंत्री 'आत्मनिर्भर भारत' की बात करते हैं। यहां यक्ष प्रश्न क्या कोई भी राष्ट्र, समाज या फ़िर व्यक्ति बिना शोध के आत्मनिर्भर हो सकता है? किसी भी राष्ट्र या समाज के विकास के लिए उस समाज या राष्ट्र में शोध को बढ़ावा देना जरूरी होता है। विकास तभी संभव है जब उस राष्ट्र के लोगों का जीवन मूल्य उच्चकोटि का होगा। सांस्कृतिक रूप से समाज मजबूत होगा। नई-नई तकनीक को विकसित किया जाएगा। अनुसंधान और नवाचार संस्कृति को जीवन का हिस्सा बनाया जाएगा। ऐसे में शोध किसी भी क्षेत्र की प्राथमिकता में रहता है; यह तो निश्चित है और राष्ट्र के विकास की पहली सीढ़ी कहीं न कहीं शोध है। अनुसंधान किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूलाधार है। यह ज्ञान के विकास में, उद्देश्य प्राप्ति हेतु, समाज और राष्ट्र को नई गति प्रदान करने में, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भावना के विकास में, सुधार में, सत्य की खोज में, प्रशासनिक आदि अनेक क्षेत्रों में सहायता प्रदान करता है। तभी तो अनुसंधान को जॉन डीवी 'प्रगतिशील प्रक्रिया' मानते हैं। वैसे भी भारत जैसे देश में शिक्षा का महत्व हमेशा से रहा है और उसे सर्वोच्च धन के रूप में स्वीकार किया गया है। ऐसे में देखें तो राष्ट्र के निर्माण के लिए जरूरी कोई भी पक्ष हो। वह नवीकरणीय ऊर्जा का क्षेत्र हो, धर्म और दर्शन का क्षेत्र हो। अंतरिक्ष से जुड़ी बातें हों। शिक्षा या समाज से जुड़ी संकल्पनाएं हों। सभी क्षेत्रों में जब तक शोध के महत्व को अंगीकार नहीं किया जाएगा तब तक एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता। विश्व के युवा राष्ट्र के रूप में हम सृजनात्मकता, उद्यमिता, नवाचार, शोध एवं अनुसंधान का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकते हैं। इन सब बातों के मद्देनजर देखें तो आज शिक्षण संस्थानों आदि को लेकर देश में राजनीति खूब होती रहती है। आप कहते रहिए कि हम विश्वगुरु थे। वैश्विक रैंकिंग में दुनिया के 300 विश्वविद्यालयों में एक भी विश्वविद्यालय भारत का नहीं आता। वर्ष 2012 के बाद पहली बार टॉप-300 में भारत का कोई विश्वविद्यालय नहीं है। 92 देशों के 1396 संस्थानों में भारत का नंबर 300 के नीचे आता है। केवल आईआईटी रोपड़ को ग्लोबल रैंकिंग में टॉप-350 संस्थानों में जगह दी गई। कुल 337 प्राइवेट यूनिवर्सिटी, 400 राज्य विश्वविद्यालय, 126 डीम्ड यूनिवर्सिटी, 48 सेंट्रल यूनिवर्सिटी, 31 एनआईटी, 28 आईआईटी और 19 आईआईएम यानी कुल संस्थान 984 और कुल छात्र 3.66 करोड़। लेकिन पढ़ाई- लिखाई के संसार में न तो हमारी कोई साख है और न कोई महत्व। जरूरत है राष्ट्र की समृद्धि और विकास के लिए शिक्षा में बदलाव और शोध को बढ़ावा देने की। ऐसे में आत्मनिर्भर भारत बनाना है तो अनुसंधान एवं विकास पर ख़र्चा बढ़ाने की दिशा में सोचना होगा। हम आर एंड डी पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का महज 0.6 प्रतिशत खर्च करके न वैश्विक व्यवस्था के खेवनहार बन सकते और न ही आत्मनिर्भर, यह हमारी सियासी परिपाटी को समझना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में सरकार के स्तर पर अनुसंधान और विकास पर कुल जीडीपी का 2.8 प्रतिशत, चीन में 2.1 फ़ीसदी, इस्राइल में 4.3

प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में 4.2 फीसदी ख़र्च होता है। इतना ही नहीं, रिपोर्ट यह भी कहती कि वैज्ञानिक रिसर्च और विकास में महिलाओं की आबादी तो बहुत ही कम है। वैसे भारत में सार्वजनिक निवेश की तुलना में निजी निवेश अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में काफ़ी अल्पमत में है। अधिकांश देशों में अधिकतर कार्य निजी क्षेत्र द्वारा किया जाता है। हालांकि, भारत में प्राथमिक स्रोत के साथ ही साथ अनुसंधान एवं विकास निधि की उपयोगकर्ता सरकार ही है। फ़ोर्ब्स की 2017 की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की शीर्ष 2500 कंपनियों द्वारा अनुसंधान और विकास पर ख़र्च करने वाली सूची में चीन की 301 कम्पनियां शामिल हैं, जबकि भारत की सिर्फ़ 26 ही। ऐसे में जब बात अब विशेषज्ञों द्वारा मेड इन इंडिया और मेक इन इंडिया से आगे निकलकर 'मेड बाय इंडिया' की हो रही। ऐसे में अनुसंधान को बढ़ावा देना बेहद लाज़िमी बनता जा रहा। कोरोना काल ने हमारी व्यवस्था को इस दिशा में सोचने को विवश किया है, लेकिन यह देखने वाली बात होगी कि इसका परिणाम क्या होगा? दरअसल, हमने प्रायः गुणात्मक कार्यक्रमों को भी संख्यात्मक कार्यक्रमों में बदल दिया है। लेकिन सिर्फ़ संख्याबल से ही सब कुछ हासिल नहीं होता, यह भी एक हकीकत है। फ़िर गुणवत्ता की दिशा में कब बढ़ेगा भारत, सवाल अपने आप में एक यह भी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमजोर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। घरेलू बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों के अकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को तांबा की कीमत 1.55 रुपये की गिरावट के साथ 443.70 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबा के जून महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1.55 रुपये अथवा 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 443.70 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 4,601 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की सुस्त मांग के कारण सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से यहां वायदा कारोबार में तांबा कीमतों में गिरावट आई।

ताजा सौदों की लिवाली से ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के कारण सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को ग्वारसीड की कीमत तीन रुपये की तेजी के साथ 3,530 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गयी। एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड के जून महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत तीन रुपये अथवा 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,530 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गयी जिसमें 2,125 लॉट के लिए कारोबार हुआ। ग्वारसीड के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 18 रुपये अथवा 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,568 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गयी जिसमें 27,400 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों के अनुसार, उत्पादक क्षेत्रों से मामूली आपूर्ति के कारण हाजिर बजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे यहां वायदा कारोबार में ग्वारसीड कीमतों में तेजी आई।

ताजा सौदोंकी लिवाली के कारण बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को बिनौलातेल खली की कीमत 31 रुपये की तेजी के साथ 2,064 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी। एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के जून महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 31 रुपये अथवा 1.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,064 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 1,250 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, बिनौलातेल खली के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 19 रुपये अथवा 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,160 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 50,380 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

कोरोना संकट के बीच 7000 से अधिक लोगों को नौकरी देगी यह कंपनी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी की सहायता से लॉजिस्टिक्स से जुड़े सभी सोल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी ई-कॉम एक्सप्रेस ने 7000 से अधिक लोगों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने मौजूदा दौर में कोविड-19 की वजह से अर्थव्यवस्था एवं रोजगार के क्षेत्र में उत्पन्न संकट के बावजूद ये निर्णय लिया है। अगले दो महीनों के दौरान लास्ट-माइल डिलीवरी, वेयरहाउसिंग मैनेजमेंट, ऑपरेशंस, आईटी और डेटा साइंस जैसे सभी क्षेत्रों में स्थाई (परमानेंट) कर्मचारियों की हायरिंग की जाएगी। इन नए पदों पर नियुक्त होने वाले कर्मचारियों की संख्या, कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या का 25त्न है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे महानगरों के साथ-साथ अहमदाबाद, सूरत, चंडीगढ़, इंदौर, पटना, लखनऊ, कानपुर, भोपाल और जयपुर जैसे शहरों सहित पूरे देश में नियुक्ति की जाएगी। बता दें कि यह भारतीय ई-कॉमर्स इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी की सहायता से लॉजिस्टिक्स से जुड़े सभी सोल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी है। तथा भारत के 2400 से अधिक शहरों एवं 25,000 से ज्यादा पिन-कोड में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराती है।

छह राज्यों के 116 जिलों के श्रमिकों को लाभ पहुंचाएगा गरीब कल्याण रोजगार अभियान: सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में लॉकडाउन लगने के बाद प्रवासी ज्यादातर प्रवासी मजदूर अपने घर चले गए हैं। प्रवासी मजदूरों के लिए सरकार 'गरीब कल्याण रोजगार योजना' लेकर आ रही है। वित्त मंत्री ने बताया कि 6 राज्यों के 116 जिलों को इस योजना में शामिल किया गया है। इन राज्यों में बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, ओडिशा और राजस्थान हैं। सीतारमण ने बताया कि 20 जून को बिहार से पीएम मोदी इसकी शुरूआत करेंगे। सीतारमण ने बताया कि हमारा फोकस उन जिलों पर है, जहां सबसे ज्यादा प्रवासी मजदूर वापस आए हैं। वित्त मंत्री के मुताबिक ये अभियान 6 राज्यों के 116 जिलों में 125 दिन तक जारी रहेगा। उनके मुताबिक इसका मुख्य उद्देश्य घर वापस लौटे प्रवासी मजदूरों को स्थिति सामान्य होने तक रोजगार मुहैया कराना है। वित्त मंत्री के मुताबिक इस अभियान में 25 अलग अलग सराकारी योजनाओं को शामिल किया गया है, जिसमें कुल 50 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं। वित्त मंत्री के मुताबिक इस योजनाओं में एक तिहाई प्रवासी मजदूरों को फायदा मिलेगा, उनके मुताबिक स्किल के आधार पर मजदूरों की पहचान की जा चुकी है।

इसी आधार पर उन्हे रोजगार मिलेगा। सीतारमण ने बताया कि 125 दिनों के भीतर 116 जिलों के लिए सरकार की लगभग 25 योजनाओं को गरीब कल्याण रोजगार योजना के तहत लाया जाएगा। इन सरकारी योजनाओं में हाईवे निर्माण, रेलवे प्रोजेक्ट, ग्राम पंचायत भवन निर्माण, सिंचाई और जल प्रबंधन, वृक्षारोपण, हॉर्टीकल्चर, पशुओं के लिए प्रोजेक्ट, स्वच्छता से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं।

कमजोर मांग से चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 111 रुपये की गिरावट के साथ 48,325 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 111 रुपये अथवा 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,325 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 11,054 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, चांदी के सितंबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 64 रुपये अथवा 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,167 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी जिसमें 2,152 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 17.77 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित बनी रही।

टोयोटा किर्लोस्कर के कर्नाटक संयंत्र में दो कर्मचारी कोविड-19 से संक्रमित

नयी दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स के कर्नाटक स्थित बिदाड़ी संयंत्र के दो कर्मचारी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। कंपनी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कंपनी ने अपने संयंत्र में अस्थायी रूप से परिचालन रोक दिया है। कंपनी ने लॉकडाउन के बाद 26 मई को ही दोबारा अपना परिचालन शुरू किया था। कंपनी ने कहा कि उसने सीमित कर्मचारियों के साथ ही आंशिक तौर पर परिचालन शुरू किया था जबकि अन्य सभी तरह की कारोबारी इकाइयों, दिल्ली, बेंगलुरू, मुंबई और कलकत्ता के कार्यालयों के कर्मचारी अपने घरों से काम कर रहे थे। बयान के मुताबिक सभी तरह के सुरक्षा उपाय करने के बावजूद कंपनी के बिदाड़ी संयंत्र के दो कर्मचारी 16 जून को कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। इनमें से एक कर्मचारी आखिरी बार सात जून और दूसरा 16 जून को संयंत्र पर आया था। कंपनी ने इनके संपर्क में आए कर्मचारियों की पहचान शुरू कर दी है, ताकि उनका अनिवार्य इलाज कराया जाए या पृथक रखा जा सके। वह स्थानीय प्रशासन के साथ संपर्क में है। कंपनी के संयंत्र को अस्थायी तौर पर पहले ही बंद कर दिया गया है। साथ ही वह संक्रमित कर्मचारियों को सभी अनिवार्य सहायता, इलाज और पृथक रहने की प्रक्रिया में मदद उपलब्ध करा रही है।

उत्तराखंड में लॉकडाउन की मार से नहीं उबर पा रहा एमएसएमई क्षेत्र: उद्योग जगत

देहरादू (एजेंसी)।

उत्तराखंड में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र लॉकडाउन की मार से उबर नहीं पा रहा है। उद्योग जगत के अनुमान के मुताबिक राज्य में स्थित 65,000 एमएसएमई इकाइयों में से अब तक केवल 50 फीसदी ही खुलने की स्थिति में आ पायी हैं। उद्योग के जानकारों का मानना है कि इन 50 प्रतिशत इकाइयों में भी उत्पादन के हिसाब से 20- 30 प्रतिशत इकाइयों में ही मांग के अनुसार काम हो रहा है। उन्होंने उत्तराखंड सरकार के उस दावे को खारिज किया जिसमें कहा गया था कि प्रदेश में 90 फीसदी इकाइयों ने अपना कामकाज शुरू कर दिया है।लॉकडाउन की सबसे ज्यादा मार सेवा और आतिथ्य क्षेत्र को झेलनी पड़ी है और यह क्षेत्र अभी भी पूरी तरह से बंद पड़ा है। इसके अलावा खाद्य प्रसंस्करण, फैब्रिकेशन या इंजीनियरिंग क्षेत्र भी प्रभावित हैं। वाहन क्षेत्र में मांग नहीं होने से राज्य में बड़ी- बड़ी कंपनियों की सहयोगी इकाइयों में कामकाज पूरी तरह ठप है हालांकि, दवा उद्योग क्षेत्र में कामकाज चल रहा है लेकिन इनमें भी महंगी दवाओं के क्षेत्र पर कोविड-19 का बहुत प्रभाव पड़ा है। इंडस्ट्रीज एसोसियेशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने कहा लॉकडाउन खोलने (अनलॉक 1.0) से भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास न तो मांग आ रही है और न ही कामगार हैं जिसके कारण कारखानों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। निकट भविष्य में भी उबरने की कोई उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।'' कपड़ा एवं इस्पात क्षेत्र में काम करने वाले एसपीएनजी ग्रुप के

मालिक योगेश जिंदल ने बताया कि उनके काशीपुर में स्थित दो कारखानों में केवल 30-40 प्रतिशत ही काम चल रहा है। भारत सरकार के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से उनके कारखानों को कोई लाभ नहीं मिला है। देहरादून स्थित मधुबन होटल के मालिक और उत्तराखंड होटल एसोसियेशन के अध्यक्ष एसपी कोचर ने कहा कि लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित होटल और हॉस्पिटेलिटी उद्योग अभी भी लगभग ठप है। उन्होंने कहा, ''चारधाम यात्रा अभी शुरू नहीं हो पाई है। सारे होटल बंद हैं। वैसे भी पर्यटक बाहर नहीं निकल रहे हैं।''

श्रमिक संगठनों ने कोल इंडिया में तीन दिन की हड़ताल के लिये दिया नोटिस

कोलकाता। कोयला क्षेत्र से जुड़े श्रमिक संगठनों ने कोयला क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिये खोले जाने के सरकार के फैसले के विरोध में कोल इंडिया और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में दो जुलाई से तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय किया है। उन्होंने इसके लिये नोटिस दिया है। अभी यह साफ नहीं है कि अधिकारी हड़ताल में शमिल होंगे या नहीं। हड़ताल होने पर करीब 40 लाख टन उत्पादन का नुकसान हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 41 कोयला ब्लॉक के वाणिज्यिक खनन को लेकर नीलामी प्रक्रिया की शुरूआत की। इस कदम के साथ देश के कोयला क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिये खोल दिया गया है। देश के आत्मनिर्भर होने की दिशा में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। ट्रेड यूनियनों ने कहा कि अनुषंगी इकाइयों के उनके संगठनों ने हड़ताल को लेकर नोटिस भेज दिया है या भेजने की प्रक्रिया में हैं। 'ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन' के महासचिव डीडी रामनंदन ने कहा कि हम दो जुलाई से प्रस्तावित हड़ताल पर आगे बढ़ रहे हैं। कोल इंडिया और एससीसीएल प्रस्तावित हड़ताल के जरिये सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट को कोल इंडिया से अलग करने का भी विरोध किया जाएगा। यह कोल इंडिया की अनुषंगी है।

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा कोयला निर्यातक होना चाहिये: मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के पास जितना बड़ा कोयले का भंडार है उस हिसाब से उसे दुनिया का सबसे बड़ा कोयला निर्यातक होना चाहिये। उन्होंने कहा कि अब कोयला खानों को वाणिज्यिक खनन के वास्ते निजी कंपनियों के लिये खोले जाने का कदम इसी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में उठाया गया है। प्रधानमंत्री 41 कोयला ब्लाकों को वाणिज्यिक खनन के लिये दिये जाने की नीलामी प्रक्रिया का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उद्घाटन करने के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने इसे देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाया गया कदम बताया। इन कोयला ब्लाकों की नीलामी से सरकार को देश में अगले पांच से सात साल में 33,000 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश की उम्मीद है। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कोरोना वायरस संकट को लेकर उन्होंने कहा, ''भारत कोरोना से लड़ेगा भी, जीतेगा भी और आगे बढ़ेगा भी। भारत इसे बड़ी आपदा समझ कर रोते या बैठे रहने के पक्ष में नहीं है। बल्कि इसे अवसर में बदलने के लिए कृतसंकल्प है। कोरोना के इस संकट ने भारत को आत्मनिर्भर बनने का सबक भी दिया है।'' मोदी ने कहा, ''आज हम सिर्फ वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लाकों की नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत नहीं कर रहे हैं। बल्कि कोयला क्षेत्र को 'दशकों के लॉकडाउन' से भी बाहर निकाल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जो देश उसके आरक्षित कोयला भंडार के हिसाब से दुनिया का चौथा बड़ा देश हो और जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक हो। वो देश कोयले का निर्यात नहीं करता बल्कि दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला आयातक देश बना हुआ है। बड़ा सवाल ये है कि जब हम दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक बन रहे हैं तो हम सबसे बड़े निर्यातक क्यों नहीं बन सकते?'' उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा कोयला निर्यातक बनना होना चाहिए। मोदी ने दोहराया कि देश कोरोना वायरस संकट को अवसर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने साल 2030 तक, मतलब की आने वाले दशक में करीब 10 करोड़ टन कोयले को गैस में बदलने का लक्ष्य रखा है। मुझे बताया गया है कि इसके लिए 4 परियोजनाओं की पहचान हो चुकी है और इन पर करीब-करीब 20 हज़ार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।'' कोयला क्षेत्र की पिछली नीतियों पर सवाल करते हुए और कोयला आवंटन में हुए घोटालों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश को कोयला क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा से बाहर रखा गया। पारदर्शिता की एक बहुत बड़ी समस्या बार-बार सामने आई है। ईमानदारी से नीलामी को छोड़िए, कोयला ब्लकों के आवंटन में बड़े-बड़े घोटालों की चर्चा हर किसी ने सुनी है।'' उन्होंने कहा, ''इस वजह से देश के कोयला क्षेत्र में निवेश भी कम होता था और उसकी क्षमता भी हमेशा सवालों के घेरे में रहती थी। कोयला निकलता किसी राज्य से था, जाता सैकड़ों किलोमीटर दूर किसी अन्य राज्य के बिजली संयंत्र को था, जबकि उसी राज्य के बिजनी संयंत्र कोयले का इंतजार करते रह जाते थे। यानि काफी कुछ अस्त-व्यस्त था।'' मोदी ने कहा, ''अब नीलामी प्रक्रिया में पूरी पादर्शिता है। साथ ही कई और बड़े सुधार भी किए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि कोयला क्षेत्र के सुधार का सकारात्मक असर बिजली, इस्पात, उवर्रक, एल्युमीनियम और सीमेंट क्षेत्र पर भी पड़ेगा। इससे पूर्वी और मध्य भारत को लाभ होगा। देश के यह क्षेत्र कोयला और अन्य खनिज संसाधनों से समृद्ध हैं और देश के कई आकांक्षी जिले इन इलाकों में पड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस नीलामी प्रक्रिया से राज्यों की आय बढ़ने के साथ-साथ सूदूर इलाकों का विकास होगा और रोजगार का निर्माण होगा। मोदी ने कहा कि इन कोयला ब्लकों की नीलामी प्रक्रिया का शुरू होना 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत की गयी घोषणाओं का ही हिस्सा है। इसके राज्य सरकारों की आय में सालाना 20,000 करोड़ रुपये का योगदान करने का अनुमान है। उन्होंने कहा, ''कोयला ब्लाकों की नीलामी से इन क्षेत्रों में लाखों रोजगार पैदा होंगे।

सरकार इन खनन क्षेत्रों के आसपास बुनियादी ढांचा विकसित करने पर 50,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

रेलिगेयर मामला: फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व-प्रवर्तक शिविंदर सिंह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व-प्रवर्तक शिविंदर मोहन सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी। सिंह रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड के कोष के साथ कथित हेराफेरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सामना कर रहे हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप यादव ने कहा कि सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के दौरान किसी तरह एक फोन की तस्करी की। यह उनके आचरण और इरादे को दिखाता है। अदालत ने अपने आदेश में इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय के जवाब का भी उल्लेख किया।

ईडी ने कहा है कि सिंह ने घर का खाना खाने और दिन में आधा घंटा परिवार के सदस्य से मिलने की सुविधा का गलत इस्तेमाल किया।

उन्होंने उनके लिए खाना लाने वाले ड्राइवर के हाथ से एक मोबाइल फोन मंगवाया और बाथरूम में जाकर अपनी जान-पहचान वालों और सहयोगियों से फोन पर बातचीत और चैट की। जब कोई आरोपी हिरासत में रहते हुए यह सब कर सकता है तो यदि उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो वह सबूतों के साथ छेड़छाड़ और गवाहों को धमकाने की कोशिश कर सकते हैं।

भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों का दबदबा

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक टकराव ने एक बार फिर भारत में चीनी कंपनियों के बिजनेस और दबदबे को लेकर चर्चा तेज कर दी है। चीन के लिए भारत एक बहुत बड़े बाजार के रूप में उभरा है। चीन की कंपनियों ने हर सेक्टर में भारी भरकम निवेश किया है। चीन की कंपनियों के सस्ते उत्पाद भारत में अपनी जड़ें इस कदर जमा चुके हैं कि उनको उखाड़ना बहुत मुश्किल है। चीनी कंपनियों को भारत सरकार से या प्राइवेट सेक्टर से फिलहाल कोई कॉन्ट्रैक्ट जल्द ही मिलने की संभावना नहीं है। पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हुआवेई कंपनी, जिसका भारत के 5जी मार्केट में उतरने की पहले से ही कम अवसर थे, अब और भी कम हो गया है। हम आपको बताते हैं कि चीन की किन कंपनियों की भारत में किस सेक्टर में कितनी हिस्सेदारी है। स्मार्टफोन- स्मार्टफोन मार्केट साइज भारत में 2 लाख करोड़ रुपए का है। इसमें 72 प्रतिशत हिस्सा चीन की कंपनियों के प्रोडक्ट का है।

इसमें 72 प्रतिशत हिस्सा चीन की कंपनियों के प्रोडक्ट का है। टेलीकॉम इक्विपमेंट- भारत में टेलीकॉम इक्विपमेंट का बाजार 12,000 करोड़ रुपए का है। इसमें चीन की कंपनियों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। टेलीविजन: भारत में टेलीविजन का मार्केट 25,000 करोड़ रुपए का है। इसमें चीन की कंपनियों की स्मार्ट टीवी की हिस्सेदारी 42 से 45 प्रतिशत है। नॉन स्मार्ट टीवी की हिस्सेदारी 7-9 प्रतिशत है। होम अप्लायंसेस: भारत में इस सेगमेंट का मार्केट साइज 50 हजार करोड़ रुपए है। इसमें चीन की कंपनियों की हिस्सेदारी 10-12 प्रतिशत है। ऑटो कंपोनेंट: भारत में इस सेगमेंट का मार्केट साइज 57 अरब डॉलर का है। इसमें चीन की कंपनियों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। सोलर पावर: भारत में इसका मार्केट साइज 37,916 मेगावाट का है। इसमें चीन की कंपनियों का हिस्सा 90 प्रतिशत है। इंटरनेट ऐप: भारत में इंटरनेट एप का मार्केट साइज 45 करोड़ स्मार्ट फोन यूजर के रूप में है। 66 प्रतिशत लोग कम से कम एक चीनी ऐप का इस्तेमाल करते हैं। स्टील: भारत में स्टील का मार्केट साइज 108.5 एमटी का है। इसमें चीन की कंपनियों की हिस्सेदारी 18-20 प्रतिशत है। फार्मा: एपीआई- भारत में फार्मा एपीआई का मार्केट साइज 2 अरब डॉलर का है। इसमें चीन की कंपनियों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है।

एयर एशिया अब आपके घर से ले जाएगी लगेज, इन शहरों में मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की मार से जहां एविएशन सेक्टर को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है, उस समय एयर लाइन कंपनी एयर एशिया ने अपने यात्रियों के लिए डोर टू डोर बैगेज सर्विस शुरू की है। कंपनी ने इस सर्विस का नाम फ्लाईपॉर्टर सर्विस रखा है। पहले चरण में यह सर्विस दिल्ली, बेंगलुरू और हैदराबाद में शुरू की जाएगी। इसमें लगने वाली 500 रुपए से शुरुआत होगी। यह एक बार का है यानी आप घर से एयर पोर्ट या एयरपोर्ट से घर की डिलीवरी करा सकते हैं। इस सर्विस को जल्द ही मुंबई में भी शुरू किया जाएगा। उड़ान शुरू होने के 24 घंटे पहले से यात्री इस सर्विस का फायदा उठा सकते हैं। इसमें एक खासयित ये भी है कि सामान और कंटेनर के लिए 5000 रुपए प्रति सामान इंश्योरेंस भी शामिल है। इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए आपको वेबसाइट पर विजिट करना होगा या फिर +91 63668 35588 नंबर पर संपर्क करना होगा। इस सर्विस के तहत एयर लाइन कंपनी अपने यात्रियों का सामना दरवाजे से उठाएगी और जहां पर यात्री को उतरना होगा, उसे पते पर पहुंचा दिया जाएगा। उसे पते पर पहुंचा दिया जाएगा।

उसे पते पर पहुंचा दिया जाएगा। कंपनी के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अंकुर गर्ग ने कहा हमने फ्लाईपॉर्टर सर्विस लॉन्च की है, जो कि इस इंडस्ट्री की पहली सर्विस है। जिसमें यात्रियों का सामान दरवाजे से लेकर उनकी घर तक पहुंचाया जाएगा। हमारा मकसद है कि यात्रियों का सामान उनके बिना किसी परेशानी के दरवाजे तक पहुंचाया जाए। एयरलाइन ने अपने जारी किए गए बयान में कहा है कि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए सोशल डिस्टेंसिग समेत सभी प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। सभी बैगों को गोदाम में कीटाणु रहित और सामान की डबल स्तर की पैकिंग की जाएगी। एक कर्मचारी इन सामानों की नियमित रूप से स्क्रीनिंग करेंगे। जिस गाड़ी से सामान पहुंचाया जाएगा उसे नियमित रूप से कीटाणु रहित किया जाएगा और डिलीवरी देने वाला कर्मचारी पूरी तरह से सोशल डिस्टेसिंग का पालन करेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2020-21 में चार प्रतिशत संकुचित होने का अनुमान : एडीबी

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था चार प्रतिशत संकुचित होने का अनुमान है। कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा है। इतना ही नहीं एडीबी का अनुमान है कि 'विकासशील एशिया' का हिस्सा रहे देश 2020 में 'बड़ी मुश्किल से वृद्धि' कर पाएंगे। इस बहुपक्षीय वित्तीय संगठन ने अपनी रिपोर्ट एशियाई विकास परिदृश्य में कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए अपनाए गए उपायों से आर्थिक गतिविधियों को नुकसान होने और निर्यात मांग कमजोर पड़ने की संभावना है। 'विकासशील एशिया' से आशय एडीबी के 40 से अधिक सदस्य देशों के समूह से है। रपट में कहा गया है कि हांगकांग, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर और ताइपेई जैसी नयी औद्योगिक अर्थव्यवस्था को छोड़कर 'विकासशील एशिया' के चालू वर्ष में 0.4 प्रतिशत की दर से और 2021 में 6.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने का अनुमान है। कोविड-19 ने दक्षिण एशिया को बुरी तरह प्रभावित किया है। वर्ष 2020 में इसके तीन प्रतिशत संकुचित होने का अनुमान है। जबकि अप्रैल में इस क्षेत्र में 4.1 प्रतिशत संकुचन का अनुमान था। एडीबी ने 2021 के लिए दक्षिण एशिया वृद्धि के अनुमान को 6 प्रतिशत से घटाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया है। दक्षिण एशिया वृद्धि के अनुमान को 6 प्रतिशत से घटाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया है। रपट के अनुसार, '' भारतीय अर्थव्यवस्था के 31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में चार प्रतिशत संकुचित होने का अनुमान है।

जबकि 2021-22 में देश की अर्थव्यवस्था के पांच प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की संभावना है।'' एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री यासुयुकी सवादा ने कहा कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर इस साल कोविड-19 का असर बना रहेगा। भले ही लॉकडाउन में धीरे-धीरे राहत दी जाए और चुनिंदा कारोबारी गतिविधियों को नए हालातों में दोबारा शुरू किया जाए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोरोना वायरस के चलते चैरिटी गोल्फ मैच में भुल्लर, शुभंकर और कपिल देव लेंगे भाग

नई दिल्ली। गगनजीत भुल्लर, शुभंकर शर्मा जैसे शीर्ष भारतीय गोल्फर और महान क्रिकेटर कपिल देव 11 जुलाई को यहां होने वाले चैरिटी गोल्फ मैच में खेलते हुए नजर आयेंगे जिसका लक्ष्य कोविड-19 राहत कार्य के लिये एक करोड़ रूपए जुटाने का है। इस महामारी के दौरान दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाला यह चैरिटी प्रदर्शनी मैच भारत का पहला लाइव खेल टूर्नामेंट होगा जिसे बुधवार को देश की शीर्ष गोल्फ संस्थाओं का समर्थन मिला। भारतीय पेशेवर गोल्फर टूर (पीजीटीआई) ने इस चैरिटी मैच का समर्थन देने का फैसला किया है जो देश की मुख्य पेशेवर गोल्फ टूर का संचालन देखती है। गोल्फ उपकरणों के लिये कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारत की सबसे बड़ी संस्था गोल्फ इंडस्ट्री संघ और गोल्फ कोर्स अधीक्षक एवं प्रबंधक संघ (जीसीएसएमएआई) ने भी इसे अपना समर्थन देने का वादा किया है। नौ बार के एशियाई टूर विजेता भुल्लर और 2018 एशियाई टूर के नंबर एक गोल्फर शुभंकर क्रमशः कपिल और पूर्व भारतीय स्पिनर मुरली कार्तिक के साथ जोड़ी बनाएंगे।

वापसी पर ला लिगा के अंतरराष्ट्रीय दर्शकों की संख्या 50फीसदी बढ़ी, भारत में फेसबुक पर दिखाने के बावजूद 72फीसदी दर्शक बढ़े

मॉस्को (एजेंसी)।

कोरोनावायरस के कारण करीब तीन महीने बाद शुरू हुई स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा देखने वाले अंतरराष्ट्रीय दर्शकों की संख्या करीब 50 फीसदी बढ़ी है। उधर, भारत में इन मैचों को फेसबुक के जरिए दिखाया गया। फिर भी दर्शकों की संख्या में 72त्न का इजाफा हुआ। यह खुलासा नीलसन स्पोर्ट्स के सर्वे में हुआ है। सर्वे के मुताबिक, लीग की वापसी के बाद जो शुरुआती मैच हुए उनकी दर्शक संख्या लॉकडाउन से पहले हुए 27 दौर के मुकाबलों से ज्यादा रही । साउथ अफ्रीका में 210त्न की बढ़ोतरी सर्वे में कहा गया है कि साउथ अफ्रीका में 70 प्रतिशत दर्शकों ने ला लिगा को देखा। यहां दर्शकों की संख्या में 210त्न की बढ़ोतरी हुई, जबकि यूरोप में 56 प्रतिशत दर्शकों ने मैच को लाइव देखा। वहीं, बेल्जियम में भी दर्शक संख्या 130 प्रतिशत बढ़ी। लॉकडाउन के बाद खाली स्टेडियम में हो रहे मैच लॉकडाउन के बाद ला लिगा सहित दुनिया भर की फुटबॉल लीग के मुकाबले खाली स्टेडियम में हो रहे हैं। इसके बावजूद दर्शकों की संख्या में बढ़ोतरी को अच्छा संकेत माना जा रहा है। लीग के बिजनेस डायरेक्टर ऑस्कर मायो ने कहा- अंतरराष्ट्रीय दर्शकों में हुए इजाफे से हम काफी खुश हैं। ब्रॉडकास्टर्स और क्लब ने बहुत मेहनत की- ला लिगा उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि दुनियाभर के फैन्स फुटबॉल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय दर्शकों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी बताती है कि हमारे ब्रॉडकास्टर्स, क्लब ने इसके लिए कितनी मेहनत की।' अंतरराष्ट्रीय दर्शकों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी बताती है कि हमारे ब्रॉडकास्टर्स, क्लब ने इसके लिए कितनी मेहनत की।'' लीग की ओर से कहा गया है कि शुरुआती कुछ मैचों के दौरान स्पेन में व्यूअरशिप में करीब 12 फीसदी का इजाफा हुआ। साथ देने के लिए फैन्स के शुक्रगुजार ला लिगा के अध्यक्ष जेवियर टेबास भी इससे खुश हैं। उन्होंने कहा कि हम उन सभी फैन्स के शुक्रगुजार हैं जो वापसी के बाद से ही ला लिगा के साथ हैं।

हमने दोबारा उनका मनोरंजन करने के लिए बहुत मेहनत की। लॉकडाउन के करीब 3 महीने बाद 11 जून को ला लिगा दोबारा शुरू हुई है, जो 19 जुलाई को खत्म होगी।

वुमेन्स स्पीड इंटरनेशनल ऑनलाइन शतरंज - भारत की हम्पी और हरिका पर होगी नजर

मॉस्को (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ 18 जून से 20 जुलाई के दौरान वुमेन्स स्पीड इंटरनेशनल ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट आयोजित करने जा रहा है जिसमें विश्व की महिला खिलाड़ी भाग लेते नजर आने वाली है । प्रतियोगिता चार चरण मे खेली जाएगी । स्विस टूर्नामेंट , प्ले-ऑफ क्वालिफायर ,ग्रां प्री और सुपर फाइनल । पहले चरण मे छह बड़े स्विस टूर्नामेंट होंगे जिसमें 9 ,13 और 21 राउंड वाले 2 टूर्नामेंट खेले जाएँगे जिसमें हर टूर्नामेंट मे कुल 8 खिलाड़ी अगले चरण के लिए पात्रता हासिल करेंगे मतलब इस चरण मे कुल 48 खिलाड़ियों का चयन होगा दूसरे चरण मे प्ले-ऑफ क्वालिफायर मुक़ाबले होंगे और इन खिलाड़ियों मे से अब 12 खिलाड़ी ही तीसरे चरण मतलब ग्रां प्री मे पहुंचेंगे ।

तीसरे चरण मे ग्रां प्री के मुक़ाबले खेले जाएँगे जिसमें 12 खिलाड़ी जो प्लेऑफ से आए और 9 खिलाड़ी जो की विश्व शतरंज संघ द्वारा नोमिनेट होंगे खेलेंगे । चौंथे चरण मे फीडे ग्रां प्री के दो सबसे बेहतरीन खिलाड़ी सुपर फ़ाइनल मुक़ाबला 20 जुलाई मतलब विश्व शतरंज दिवस के दिन खेलेंगे । फ़ाइनल मुक़ाबला 20 जुलाई मतलब विश्व शतरंज दिवस के दिन खेलेंगे । भारत से कोनेरु हम्पी और हारिका द्रोणावल्ली सीधे फीडे ग्रां प्री मे नजर आ सकती है जबकि अन्य शीर्ष महिला खिलाड़ी पहले ही चरण मे खेलते नजर आ सकती है ।

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान अफरीदी ने कहा- मुझे पहले से पता था कि संक्रमित हो सकता हूं, शुरुआत के 2-3 दिन बहुत दर्द में बीते

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी पिछले हफ्ते ही कोरोना से संक्रमित हुए हैं। उन्होंने बताया था कि वे क्वारैंटाइन में हैं। अब उन्होंने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि उन्हें पहले से पता था कि वे संक्रमित हो सकते हैं। वे अब ठीक हो रहे हैं, लेकिन शुरुआत के 2-3 दिन काफी दर्द में बीते थे। अफरीदी ने कहा, ''मुझे पता था कि मैं कोरोना से संक्रमित हो सकता हूं, क्योंकि मैं चैरिटी के काम से बहुत ज्यादा यात्रा कर रहा था। हालांकि मैं संतुष्ट हूं कि मुझे कोरोना देर से हुआ और इस बीच मैं बहुत से लोगों की मदद कर सका। यदि कोरोना पहले हो जाता तो शायद मैं इतने लोगों की मदद नहीं कर सकता।'' अफरीदी ने फेसबुक वीडियो में कहा है कि उनके तबीयत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। अब वे ठीक महसूस कर रहे हैं। अफरीदी ने कहा कि शुरूआत के 2-3 दिन काफी खराब रहे थे। उनके शरीद में काफी दर्द हो रहा था। वे दवा ले रहे हैं, अब उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। अफरीदी ने कहा, ''मेरे लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि मैं बच्चों को प्यार नहीं कर सकता और न ही उन्हें गले लगा सकता हूं। मुझे अपने बच्चों की याद आती है, लेकिन उनको सुरक्षित रखने के लिए सावधानी बरतना और दूरी बनाए रखना जरूरी है। इस बीमारी को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। जब तक आप खुद किसी बीमारी से नहीं लड़ते, तब तक आप इसे हरा नहीं सकते।'' अफरीदी ने 27 टेस्ट में 1716 और 398 वनडे में 8064 रन बनाए हैं। उनके नाम 99 टी-20 में 1416 रन हैं। आईपीएल में अफरीदी ने सिर्फ 10 ही मैच खेले हैं, जिसमें 81 रन बनाए थे।

श्रीलंका के पूर्व खेल मंत्री का बड़ा आरोप, 2011 विश्व कप के फाइनल में जानबूझकर हारा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीलंका के पूर्व खेल मंत्री महिंदानंदा अलुथगामगे ने आरोप लगाया है कि उनके देश ने 2011 विश्व कप फाइनल भारत को 'बेच दिया था। इस दावे को हालांकि बकवास करार देते हुए पूर्व क्रिकेट कप्तान महेला जयवर्धने ने सबूत मांगे हैं। स्थानीय टीवी चैनल 'सिरासा को दिए साक्षात्कार में अलुथगामगे ने कहा कि कहा कि फाइनल फिक्स था। भारत ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गौतम गंभीर (97) और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (91) की पारियों की बदौलत जीत दर्ज की थी। श्रीलंका के तत्कालीन खेल मंत्री अलुथगामगे ने कहा, 'आज मैं आपसे कह रहा हूं कि हमने 2011 विश्व कप बेच दिया था, जब मैं खेल मंत्री था तब भी मैंने ऐसा कहा था। पांच अगस्त को होने वाले चुनाव तक कामकाज देख रही मौजूदा कार्यवाहक सरकार में विद्युत राज्य मंत्री अलुथगामगे ने कहा, 'एक देश के रूप में मैं यह घोषणा नहीं करना चाहता था। मुझे याद नहीं कि वह 2011 था या 2012। लेकिन हमें वह मैच जीतना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'मैं जिम्मेदारी के साथ आपको कह रहा हूं कि मैंने महसूस किया कि वह मैच फिक्स था। मैं इस पर बहस कर सकता हूं, मुझे पता है कि लोग इसे लेकर चिंतित हैं। उस मैच में शतक जड़ने वाले पूर्व कप्तान जयवर्धने ने हालांकि इन आरोपों को बकवास करार दिया है। उन्होंने ट्वीट में पूछा, 'क्या चुनाव होने वाले हैं?.... जो सर्कस शुरू हुआ है वह पसंद आया... नाम और सबूत? अलुथगामगे ने कहा कि उनका नजरिया है कि नतीजे को फिक्स करने में खिलाड़ी नहीं बल्कि कुछ पक्ष शामिल थे। अलुथगामगे ने इससे पहले भी संकेत दिए थे कि वह मैच फिक्स था।

अलुथगामगे और तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुए फाइनल में आमंत्रित किए गए थे। श्रीलंका की विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे अर्जुन रणतुंगा ने भी 2011 विश्व कप फाइनल के फिक्स होने के आरोपों की जांच की मांग की थी।

संक्षिप्त समाचार

एक बार फिर क्रिकेट के मैदान में दिखेंगे एस श्रीसंत, इस टीम से करेंगे वापसी

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग में प्रतिबंध झेलने वाले तेज गेंदबाज शांतकुमारन श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने आगामी सत्र के लिए अपनी रणजी टीम में शामिल करने का फैसला किया है बशर्ते वह अपनी फिटनेस साबित कर दें। आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग में नाम सामने आने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीसंत पर आजीवन प्रतिबंध लगाया था। हालांकि उनका प्रतिबंध बाद में घटकर सात वर्ष का रह गया था जो इस साल सितम्बर में समाप्त होगा। दरअसल, श्रीसंत ने कहा, मुझे मौका देने के लिए मैं वास्तव में केसीए का ऋणी हूं। मैं अपनी फिटनेस और खेल से खुद को साबित करूंगा। सभी विवादों पर विराम लगाने का समय आ गया है। हाल ही में केसीए ने पूर्व तेज गेंदबाज टीनू योहानन को टीम का कोच नियुक्त किया है। केसीए के सचिव श्रीथ नायर ने कहा कि उनकी वापसी राज्य की टीम के लिए एक एसैट साबित होंगे। बता दें कि, श्रीसंत केरल के ऐसे दूसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने भारत के लिए 27 टेस्ट मैचों में 87 विकेट लिए हैं। वहीं 53 वनडे मैचों में उनके नाम 75 विकेट हैं और 10 टी-20 मैचों में सात विकेट ले चुके हैं। श्रीसंत भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2007 में टी-20 और 2011 में वनडे विश्व कप जीता था।

आस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस ने एटीपी प्रमुख को आलू कहा

मेलबर्न। अपनी तीखी टिप्पणियों के लिए मशहूर आस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने एटीपी प्रमुख आंद्रिया गोडेंजी के खिलाफ हमलावर तेवर अख्तियार करते हुए उन्हें 'आलू कहकर संबोधित किया। एटीपी टूर ने बुधवार को एक ट्वीट किया था जिसमें उसने मार्च से ठप्प पड़े टेनिस सत्र की 14 अगस्त से वापसी की घोषणा की थी। इस ट्वीट में गौडेंजी का बयान भी दिया गया है जिसमें उन्होंने कहा है, 'यह वास्तव में सामूहिक प्रयास से ही संभव हो पाया है और हमें उम्मीद है कि स्थिति सुधरने के साथ हम कैलेंडर में अधिक टूर्नामेंट जोड़ सकते हैं। विश्व में 40वें नंबर के खिलाड़ी किर्गियोस ने इसके जवाब में व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि गौंडेजी ने कोरोना वायरस के दौरान वास्तव में खिलाड़ियों की अच्छी तरह से देखभाल की। उन्होंने ट्वीट किया, 'खुश रहो दोस्त, आपने वास्तव में इस दौरान खिलाड़ियों की अच्छी तरह से देखभाल की। सच में आपने हमारे साथ कैसे सहयोगात्मक प्रयास किया, आलू। प्रयास किया, आलू। किर्गियोस कोरोना वायरस के बावजूद अमेरिका में टेनिस सत्र शुरू करने का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने इससे पहले इस स्वार्थी कदम करार दिया था।

हाकी कोच रमेश परमेश्वरन ने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए आवेदन किया

बेंगलुरू । भारतीय हाकी टीम के पूर्व सहायक कोच रमेश परमेश्वरन ने खेल प्रशिक्षकों को दिए जाने वाले देश के सर्वोच्च सम्मान द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए आवेदन किया है। हाकी इंडिया ने बी जे करियप्पा और रोमेश पठानिया के नाम की सिफारिश द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए की है जबकि परमेश्वरन ने हाकी कर्नाटक के जरिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए आवेदन करने का फैसला किया। 70 वर्षीय कोच ने कहा- यह मेरे लिए जूनियर खिलाड़ी से लेकर राष्ट्रीय कोच बनने तक लंबी, शानदार और संतोषजनक यात्रा रही। मेरे जीवन में भी उतार चढ़ाव आए, हार और जीत मिली लेकिन कुल मिलाकर यह मेरे पास सबसे अच्छा अनुभव है। परमेश्वरन 2015 से कर्नाटक हॉकी अकादमी में कोच हैं जहां वह युवा खिलाड़ियों को तराश रहे हैं। द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिये आवेदन करने के उनके फैसले को पूर्व खिलाड़ियों जैसे 1980 की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन, पूर्व राष्ट्रीय कोच एमके कौशिक, दिलीप टिर्की, आशीष बलाल और अन्य का समर्थन मिला है।

भारत-चीन सीमा विवाद पर ट्वीट के बाद सीएसके के निलंबित डॉक्टर ने मांगी माफी

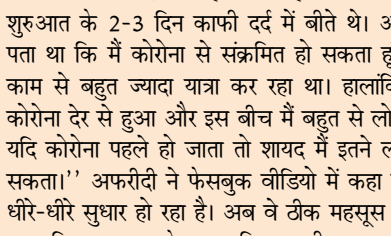

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चेन्नई सुपरकिंगस के निलंबित डॉक्टर मधु थोटापिल्लिल ने गुरुवार को अपनी विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट पर बिना शर्त माफी मांगी जिसमें उन्होंने पूर्वी लद्दाख में चीन के सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सैनिको की मौत के बाद सरकार का मजाक उड़ाया था। मंगलवार को गलवान घाटी में झड़प के बाद भारतीय सैनिकों की मौत की खबरें आने के बाद थोटापिल्लिल ने ट्वीट करके सरकार का मजाक उड़ाया था। उन्होंने बाद में इस ट्वीट को डिलीट कर दिया। फ्रेंचाइजी ने बाद में उन्हें निलंबित कर दिया। थोटापिल्लिल ने गुरुवार को ट्विटर पर ही माफी की पेशकश की। डॉक्टर ने माफी मांगते हुए लिखा, '16 जून को मैंने एक ट्वीट किया और बाद मैं मैंने महसूस किया कि मैंने जिन शब्दों को इस्तेमाल किया वे अनुचित हैं और अनजाने में लिखे गए। मैंने इसे डिलीट कर दिया। लेकिन तब तक मेरे ट्वीट के स्क्रीनशॉट जगह-जगह भेजे जा चुके थे और सोशल मीडिया पर साझा किए गए थे। थोटापिल्लिल ने स्पष्ट किया कि उनक इरादा इस संकट से लड़ने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों को कमतर करने का नहीं था। उन्होंने लिखा, 'मेरा इरादा सेना और हमारे साहसी शहीदों और इस महान देश के सभी नागरिकों का ध्यान रखने में माननीय प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के प्रयासों को कमतर करने का नहीं था।

थोटापिल्लिल ने कहा कि वह समझ सकते हैं कि उनकी पोस्ट ने हजारों लोगों की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। उन्होंने लिखा, 'मुझे खेद है कि मेरे ट्वीट को पढ़ने वाले लोगों को मैंने पीड़ा पहुंचाई और नाराज किया और इसके लिए तहेदिल से माफी मांगता हूं।

उन्होंने कहा, ''मैंने अनजाने में और गलती से ट्वीट किया और इसका मेरे किसी व्यक्ति या संगठन से जुड़ाव को कोई लेना देना नहीं है थोटापिल्लिल ने लोगों से अपील की कि वे उनके सोशल मीडिया पोस्ट को भूलवश किया समझें।

महेंद्र सिंह धोनी को लेकर रविचंद्रन अश्विन बोले- माही का मेरे करियर पर गहरा प्रभाव

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि महेंद्र सिंह धोनी का उनके करियर पर 'गहरा प्रभाव रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग में अपने शुरुआती वर्षों में वह इस पूर्व कप्तान का ध्यान आकर्षित करना चाहते थे। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ अश्विन को 2008 में अनुबंध मिला था और अश्विन ने कहा कि सीएसके के साथ बिताए समय ने उनके करियर को दिशा दी। दरअसल, अश्विन ने 'क्रिकबज इन कनवर्सेशन पर हर्षा भोगले से कहा, 'आईपीएल और सीएसके ऐसा मंच है जिसे सभी हासिल करना चाहते हैं। मेरे लिए यह पहचान बनाने का जरिया था। धोनी को नहीं पता था कि अश्विन कौन है, (मैथ्यू) हेडन और (मुथैया) मुरलीधरन को नहीं पता था कि अश्विन कौन है। पहली चीज जो मेरे दिमाग में आई वह यह थी कि मैं इन लोगों को दिखाऊंगा कि अश्विन यहां है। अश्विन ने कहा कि सीएसके की अगुआई करने वाले धोनी का उनके ऊपर 'गहरा प्रभाव रहा और उन्हें प्रभावित करने का एकमात्र तरीका उनको नेट पर परेशान करना था। अश्विन ने कहा, 'मेरी उनसे कभी लंबी बात नहीं हुई। इसके लिए मुझे नेट पर धोनी को आउट करना था। वह मुरलीधरन पर छक्के मार रहा था और मैंने सोचा कि अगर मैं उससे बेहतर गेंदबाजी करूंगा तो मुझे मुरली पर तरजीह मिल सकती है। उन्होंने कहा, 'मैंने चैलेंजर ट्रॉफी के दौरान उसे आउट करके और फिर छोटे बच्चे की तरह जश्न मनाकर उसका ध्यान खींचा। उन्होंने कहा, 'मैंने चैलेंजर ट्रॉफी के दौरान उसे आउट करके और फिर छोटे बच्चे की तरह जश्न मनाकर उसका ध्यान खींचा। अश्विन ने कहा कि इसके बाद अब भंग हो चुकी चैंपियन्स लीग में विक्टोरिया बुशरेंजर्स के खिलाफ सीएसके के मैच में उन्होंने सुपर ओवर फेंकने की पेशकश की और धोनी ने बिना हिचकिचाहट के गेंद उन्हें थमा दी।

एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप में भारत की लड़कों की टीम को मुश्किल ड्रा

नयी दिल्ली। भारत को इस साल होने वाली एएफसी अंडर-16 फुटबॉल चैंपियनशिप में मुश्किल ड्रा मिला है जहां टीम को ग्रुप सी में कोरिया गणराज्य, आस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान जैसी मजबूत टीमों के साथ रखा गया है। बहरीन में 16 सितंबर से तीन अक्टूबर तक होने वाले टूर्नामेंट का आधिकारिक ड्रा कुआलालंपुर के एएफसी हाउस में किया गया। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमें पेरू में 2021 में होने वाले अंडर-17 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। भारत ने ताशकंद में ग्रुप बी में शीर्ष रहते हुए अंडर-16 फाइनल्स में जगह बनाई है। ताशकंद में भारत के पूल में मेजबान उज्बेकिस्तान के अलावा बहरीन और तुर्कमेनिस्तान की टीमें शामिल थीं। भारतीय टीम ने तीन मैचों में सात अंक जुटाए थे। टीम ने 11 गोल किए थे जबकि उसके खिलाफ सिर्फ एक गोल हुआ था। भारतीय टीम ने लगातार तीसरी और कुल नौवीं बार एएफसी अंडर-16 फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया है। भारत की अंडर-16 राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिज ने कहा कि लड़के चुनौती का सामना करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले किसी तरह की उम्मीदें लगाना पसंद नहीं है। इस स्तर पर सभी टीमों का सामना करना मुश्किल होता है। पिछले कुछ वर्षों में एक टीम के रूप में हमने सुधार किया है।

175 रन की पारी पर 37 साल बाद फिर से बोले कपिल देव, कहा सब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वह 18 जून 1983 का दिन था जब कपिल देव ने टनब्रिज वेल्स पर जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए विश्व कप मैच में नाबाद 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी जिससे टीम के खिलाड़ियों में यह विश्वास जगाया था कि वह किसी भी परिस्थिति में जीत दर्ज कर सकते हैं। कपिल ने यह पारी तब खेली जबकि भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन था जो जल्द ही पांच विकेट पर 17 रन हो गया था। उन्होंने अपनी 138 गेंदों की पारी में 16 चौके और छह छक्के लगाए। उनके बाद दूसरा सर्वोच्च स्कोर सैयद किरमानी (नाबाद 24) का था। भारत ने आठ विकेट पर 266 रन बनाए और फिर विरोधी टीम को 235 रन पर आउट करके 31 रन से जीत दर्ज थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस संबंध में ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया जिसमें कपिल ने उस मैच की यादों को ताजा किया। इस दिग्गज आलराउंडर ने कहा- जिम्बाब्वे वाला मैच एक ऐसा मैच था जिससे पूरी टीम को यह लगने लगा था कि हम चोटी की चार टीमों को हरा सकते हैं और जब हमारा दिन हो तो हम किसी भी टीम को पराजित कर सकते हैं। कपिल देव की अगुवाई में भारत ने इसके बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में आस्ट्रेलिया को 118 रन के बड़े अंतर से हराया और सेमीफाइनल में मेजबान इंग्लैंड को छह विकेट से शिकस्त दी। फाइनल में उसका सामना दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज से था। भारतीय टीम 183 रन पर आउट हो गयी लेकिन उसने कैरेबियाई टीम को 140 रन पर समेटकर 43 रन से जीत दर्ज करके विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। कपिल ने कहा- इस पारी ने टीम को भरोसा दिलाया कि हमारे अंदर किसी भी परिस्थिति में जीत दर्ज करने की क्षमता है और हम किसी भी स्थिति में वापसी कर सकते हैं। भारत के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत दर्ज करना बेहद जरूरी थी क्योंकि तभी वह सेमीफाइनल में जगह बना सकता था। कपिल ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था लेकिन तेज गेंदबाज पीटर रॉसन और केविन कुर्रेन ने भारतीय शीर्ष क्रम को चरमरा दिया। कपिल देव ने यह ऐतिहासिक पारी तब खेली जब सुनील गावस्कर, कृष्णमाचारी श्रीकांत, मोहिंदर अमरनाथ, संदीप पाटिल और यशपाल शर्मा सस्ते में पवेलियन लौट गए थे। कपिल की पारी तब वनडे क्रिकेट की सर्वोच्च व्यक्तिगत पारी थी। यह किसी भी भारतीय का वनडे में पहला शतक था और यह अब भी चौथे नंबर से निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए वनडे में सर्वोच्च स्कोर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टैकिकार्डिया को न करें नजरअंदाज

हृदयगति के प्रति मिनट 100 से अधिक होने की स्थिति टैकिकार्डिया कहलाती है। हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 60 से 100 बार धड़कता है और कलाई, गला या अन्यत्र महसूस होने वाली नाड़ी की दर निलय (हृदय के दोनों निचले प्रकोष्ठ) के संकुचन के दर के समान होती है।

टैकिकार्डिया उत्तेजना, बुखार, तीव्र गति से खून बह जाने या कठिन व्यायामों के कारण शरीर के द्वारा होनेवाली सामान्य प्रतिक्रिया हो सकती है। यह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी हो सकती है, जैसे-थायरॉयड हार्मोन का असामान्य रूप से उच्च स्तर, जिसे हायपर थायरॉयडिज्म कहते हैं। कुछ लोगों में, टैकिकार्डिया कार्डियक एरिथ्मिया (हृदय की विकृति के कारण हृदयगति के लय या रिदम में असामान्यता), कोरोनरी आर्टरी रोग या हृदय के वॉल्व में असामान्यता के कारण हो सकता है। यह फेफड़े की समस्याओं, जैसे-न्यूमोनिया या फेफड़े की किसी धमनी में खून के थक्के के कारण भी हो सकता है। दूसरे मामलों में, टैकिकार्डिया कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का साइड इफैक्ट भी हो सकता है, जैसे-कॉफी, चाय, शराब या चॉकलेट, तंबाकू या कुछ दवाएं।

टैकिकार्डिया का पूर्वानुमान

अगर टैकिकार्डिया बुखार, खून अधिक बह जाने, हायपरथायरॉयडिज्म, किसी दवा या आहार के कारण हो तो इसका कोई दीर्घकालीन बुरा प्रभाव नहीं होता। हृदय या फेफडों की समस्या से जुड़े कई प्रकार के टैकिकार्डिया दवाओं, शल्यक्रिया या इलाज के दूसरे तकनीकों से ठीक हो जाते हैं।

टैकिकार्डिया के लक्षण

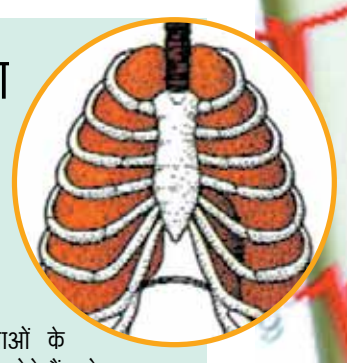

- चक्कर आना, सोचने-समझने में परेशानी और अचेत पड़ना
- थकान(असामान्य रूप से थकावट महसूस होना)
- धड़कन महसूस होना या पालपिटेशन
- सांस लेने में कठिनाई

अगर टैकिकार्डिया स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हो तो कुछ अन्य लक्षण भी दृष्टिगत होते हैं, जो उस बीमारी से संबंधित होते हैं। उदाहरण के लिए हायपरथायरॉयडिज्म में नर्वसनेस, अनिद्रा, पसीना आना, हल्का कंपन और थायरॉयड के उच्च स्तर से जुड़े अन्य लक्षण भी प्रकट होते हैं। हृदय या फेफड़े की किसी बीमारी के कारण टैकिकार्डिया होने पर इसके साथ छाती में दर्द या सांस लेने में परेशानी और लाइटहेडनेस की समस्या हो सकती है।

कार्डियक एरिथ्मिया

इसका उपचार एरिथ्मिया के कारणों पर निर्भर करता है। कुछ लोगों में गले की मसाज से समस्या का निदान हो जाता है। अन्य लोगों को दवाओं, डिजिटेलिस (लेनोक्सिन), बीटा-ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लाकर्स, क्वीनीडीन (कार्डियोक्वीन या दूसरी दवाएं) या फ्लेकैनाइड (टैंबोकोर) की आवश्यकता पड़ती है। कुछ लोगों को मात्र रेडियोफ्रिक्वेंसी कैथेटर अ'ब्लेशन से फायदा होता है। इस प्रक्रिया में हृदय के उन असामान्य ऊतकों को नष्ट कर दिया जाता है जो टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करते हैं। कुछ अन्य रोगियों का इलाज इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन के द्वारा किया जा सकता है। इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन ऐसी प्रक्रिया है जिसमें नियत समय तक हृदय को विद्युत का झटका दिया जाता है, ताकि यह सामान्य स्थिति को फिर से प्राप्त कर सके।

टैकिकार्डिया की संभावित अवधि

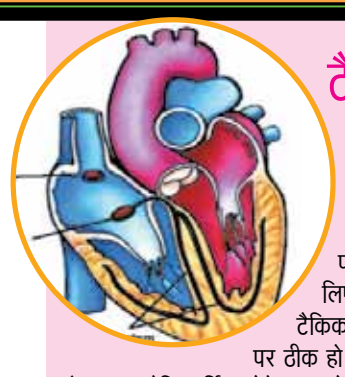

टैकिकार्डिया कितने समय तक रहता है, यह उसके कारण पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए बुखार आने के कारण टैकिकार्डिया होने पर यह बुखार उतरने पर ठीक हो जाता है। खून अधिक बह जाने के कारण टैकिकार्डिया होने पर नसों में खून या तरल चढ़ाने पर यह ठीक होता है। हायपर थायरॉयडिज्म या एड्रिनल ग्रंथियों के ट्यूमर की स्थिति का उपचार होने पर जब ये ठीक हो जाते हैं तो इनके कारण होनेवाला टैकिकार्डिया भी ठीक हो जाता है। आहार या दवाओं के कारण उत्पन्न टैकिकार्डिया से जल्दी ही निजात मिल जाती है (वास्तव में कुछ ही घंटों में, जब टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करने वाले रसायन शरीर से यूरीन में होकर निकल जाते हैं या इनका उपापचय हो जाता है)। हृदय रोगों के कारण होने वाला टैकिकार्डिया लंबे समय तक रह सकता है।

फेफड़े की बीमारियां

अगर टैकिकार्डिया फेफड़े में खून के थक्कों के होने के कारण होती है तो ऐसी दवाएं दी जाती हैं जिससे थक्के घुल जाएं और आगे थक्के बनने से रोका जा सके। न्यूमोनिया या ऐसी अन्य परिस्थितियों में इस प्रकार का इलाज किया जाता है। जिससे बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है।

टैकिकार्डिया की चिकित्सा

टैकिकार्डिया के इलाज के लिए इसके कारणों का निदान आवश्यक है।

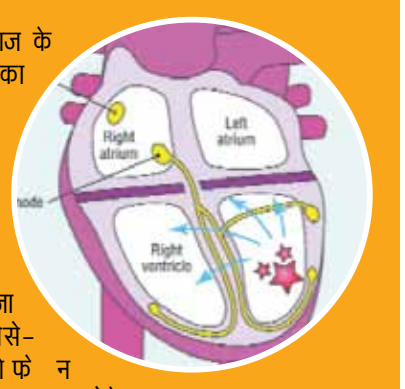

- **ज्वर** : ज्वर या बुखार से संबंधित टैकिकार्डिया के उपचार के लिए बुखार कम करने वाली दवाएं ली जा सकती हैं, जैसे- एसिटामिनोफेन (टायलिनोल) या आइब्यूप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य)। अगर बुखार बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण हुआ हो तो एंटी बायोटिक्स भी लेना आवश्यक है।
- **ब्लड लॉस** : इसके उपचार के लिए रोगी को सबसे पहले खून या इंट्रावेनस फ्लूइड चढ़ाना पड़ता है। इसके बाद रक्तस्राव के स्थान को खोजकर उसे बंद किया जा सकता है या शल्यचिकित्सा के द्वारा इसे ठीक किया जा सकता है।
- **हायपरथायरॉयडिज्म**: इसके उपचार के लिए एंटीथायरॉयड दवाएं, जैसे-प्रोपाइलथायोयूरासिल (प्रोपाइल-थायरासिल) या मेथिमाजोल (टैपाजोल) दी जाती हैं। वैकल्पिक चिकित्सा में रेडियोएक्टिव आयोडीन का उपयोग शामिल है, जो रेडीएशन के द्वारा थायरॉयड को नष्ट कर देता है या शल्यक्रिया के द्वारा थायरॉयड ग्रंथि के किसी हिस्से को हटाना, जिसे सबटोटल थायरॉयडेक्टोमी कहते हैं, को भी आजमाया जा सकता है।
- **कोरोनरी धमनी के रोग** : कोरोनरी धमनी रोग को ठीक करने के लिए दवाओं (नाइट्रेट, बीटा ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स और एस्पिरीन), कोरोनरी धमनी की बायपास सर्जरी या बैलून एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता पड़ सकती है।

हृदय के वॉल्व की असामान्यताएं

वॉल्व की गंभीर असामान्यताओं के निदान के लिए इन्हें शल्यक्रिया के द्वारा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

नवजात स्वास्थ्य के पांच टिप्स

नवजात को स्वस्थ व रोगमुक्त रखने के लिए नवजात की देखभाल आवश्यक हो जाती है। ऐसे में शिशु का सम्पूर्ण स्वास्थ्य उसके जन्म से 28 दिन के बीच निर्धारित होता है। अगर आपका बच्चा अस्वस्थ है वो उसे चिकित्सक के परामर्श अनुसार नियो नेटल केयर में रखें। स्वस्थ बच्चों में भी कुछ बातों का खास ख्याल रखने की आवश्यकता होती है।

शिशु को स्तनपान कराना

मां के दूध को नवजात के लिए सर्वोत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें कोल्सिटम नामक एक पदार्थ होता है। यह पदार्थ बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है।

शिशु का रोना

नवजात का रोना हमेशा चिंता की बात नहीं होती। ज्यादातर बच्चे भूख लगने पर या बिस्तर गीला करने पर रोते हैं। बच्चे के रोने पर इन बातों का ध्यान दें। अगर बच्चा लगातार रोता रहता है, तो उसे चिकित्सक को दिखाएं।

बच्चे को ढ़कना

नवजात शिशु के शरीर को हमेशा ढ़ककर रखना चाहिए क्यों कि छोटे बच्चोंक का शरीर बाहरी तापमान के अनुसार स्वरयं को नहीं ढाल पाता।

बच्चे की मालिश

छोटे बच्चों की मालिश करने से उनकी हड्डियां मजबूत बनती हैं और यह मालिश बेहद आवश्यचक है। बच्चों की मालिश के लिए बच्चों वाले तेल का ही प्रयोग करें।

बच्चे के लिए फोटोथैरेपी

बच्चे को कुछ देर धूप में ले जाने की प्रकिया को फोटोथैरेपी कहते हैं। नवजात को कुछ समय के लिए कपड़े में ढ़ककर ही धूप भी दिखाएं।

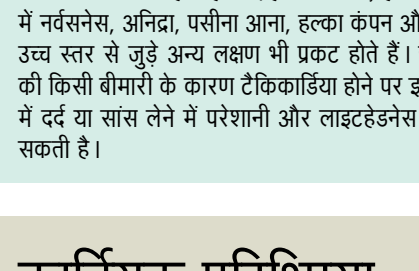

वैरीकोज वेन्स से रहें सावधान

हमारे पैरों की नसों में जब भयंकर दर्द होता है अथवा एड़ियों और पिंडलियों में जोर का दर्द होने लगता है इसे वैरीकोज वेन्स कहते हैं। यह बीमारी जल्दी ठीक नहीं होती। अगर आप इन समस्याओ से परेशान हैं तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेकर उपचार करा सकते हैं।

जब त्वचा की सतह के नीचे की नसें क्षतिग्रस्त होकर उसमें सूजन और बहुत ज्यादा खून भरता है, तब उसे अपस्फित नसें कहते हैं। नसें ऐसी रक्त वाहिका है, जो दिल में खून वापस ले जाती हैं। धमनियां रक्त को दिल से दूर शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचाती हैं। अपस्फित नसें सबसे अधिक पैरों में होती हैं। 50 फीसदी मामलों में ये हालत वंशानुगत होती हैं। अन्य मामलों में गर्भावस्था में रक्त के दबाव में परिवर्तन या मोटापे से संबंधित होकर यह खून को दिल में वापस प्रवाहित करने में रुकावट लाती हैं और नसों में खून के रुकने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इससे बीमारी तेजी से बढ़ती जाती है।

नसों में खून की रुकावट

इसके अलावा लगातार कई घंटों तक खड़े रहने से भी यह समस्या उत्पन्न होती है। जैसे नौकरानी, वेटर, नर्सों, युवा बच्चों के साथ माताओं के नसों को ज्यादा समय तक गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ काम करने को मजबूर किया जाता है, जिससे दबाव संबंधित शिरा और वाल्व क्षति का खतरा बढ़ सकता है। इलास्टिक बंध और घुटने तक ऊंचे मोजों से भी अपस्फित नसों का खतरा बढ़ सकता है। यदि उसका तंग इलास्टिक पैरों के रक्त प्रवाह को धीमा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 15 फीसदी वयस्कों में अपस्फित नसें होती हैं और ये पुरुषों की तुलना में 2 से 3 गुना अधिक महिलाओं में पाई जाती हैं। हालांकि अपस्फित नसों को अक्सर पैरों में देखा जाता है। वे गर्भावस्था के दौरान या बवासीर के रूप में गुदा के आसपास भी हो सकती हैं। अपस्फित नसें

पहले से रक्त के थक्के एक या दोनों पैरों की गहरी नसों में क्षति के साथ जुड़ा हो सकता है। जब हम ज्यादा देर तक काम करते रहते हैं तो भी नसों पर दबाव पड़ता है। जब ऐसा होता है, तब नसें प्रभावी ढंग से रक्त को दिल में वापस स्थानांतरित करने की क्षमता खो देती हैं। जिसके कारण पैर में सूजन और त्वचा पर घाव हो सकते हैं।

बीमारी की संभावित अवधि

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन लक्षण आते और जाते रह सकते हैं। यदि आप गर्भवती हैं और अपस्फीत नसों के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो प्रसव के बाद के लक्षणों में सुधार होगा। हालांकि, ये शायद पूरी तरह से ठीक नहीं होगी और आप भविष्य के गर्भधारण के दौरान लक्षण वापस आ सकते हैं।

वैरीकोज वेन्स का पूर्वानुमान

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन उनके लक्षण अक्सर पैर को ऊपर उठाकर रखकर और उपचारात्मक मोजे के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। सर्जिकल प्रक्रियाओं से अपस्फीत नसों को स्थायी रूप से हटा सकते हैं, लेकिन वे निशान छोड़ जाते हैं और नए अपस्फीत नसों को बनाने से रोक नहीं सकते हैं।

चिकित्सा

अपस्फीत नसों के हल्के लक्षणों पर ज्यादातर लोगों पर किए जाने वाले उपचारों में शामिल हैं-

- पैर को दिन में कई बार ऊपर उठाने से
- योग्य दबाव के मोजे पहनें
- त्वचा के करीब की अपस्फीत नसों के लिए त्वचा विशेषज्ञ सेलेरोथेरेपी का सुझाव देंगे। जिसमें एक बेचैन करने वाला रसायन का इंजेक्शन प्रभावित नस में देंगे, जिससे नस क्षतिग्रस्त होकर बंद होगी। सेलेरोथेरेपी से इलाज की गई नस का बहुत ज्यादा टूटने का खतरा हो सकता है, जिससे त्वचा अल्सर हो सकता है।
- नसों में गंभीर रुकावट के साथ लोगों में विशेष रूप से घनास्त्रता या त्वचा अल्सर की बार-बार समस्या से लोगों को नसों को अनावृत्त या बाधंने की प्रक्रिया आवश्यक हो सकती है। इस सर्जरी में असामान्य नस को बांधकर और त्वचा में छोटी कटौती से शरीर से बाहर खींच लिया जाता है। दूसरी प्रकार की एक सर्जरी जिसको एंबुलेटरी फ्लेबेक्टॉमी कहते हैं, इसमें भी त्वचा पर छोटे चीरों के माध्यम से नसों को हटाते हैं, लेकिन यह कम आक्रामक है, पुरानी अनावृत्त और बांधने की प्रक्रिया से।

वैरीकोज वेन्स का निदान

आपके डॉक्टर आपके लक्षण और अपस्फित नसों के परिवार में इतिहास के बारे में पूछेंगे या वह आपकी जीवन शैली, विशेष रूप आप कितने समय खड़े रहते हैं, ये पूछेंगे। महिलाओं में चिकित्सक गर्भावस्था के इतिहास और मोजे या स्टॉकिंग्स पहनने पर इलास्टिक से पैर पर जकड़न के बारे में पूछेंगे। डॉक्टर एक सरल शारीरिक परीक्षा के साथ अपस्फीत नसों का निदान कर सकते हैं।

डॉक्टर को कब संपर्क करें

अपने चिकित्सक को फोन करें, जब भी आप को दर्द, सूजन, त्वचा अल्सर या पैर के किसी क्षेत्र में अस्पष्टीकृत संवेदना लगे तो आप डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। एक नई सूजन विशेष रूप से सिर्फ एक पैर में, खून के थक्के के कारण जिस पर तत्काल उपचार की आवश्यकता है। यदि आपको अपस्फित नसें हैं, तो डॉक्टर को तुरंत फोन करें। अगर अपस्फित नस के पास एक अल्सर या दर्दनाक काले और नीले क्षेत्र विकसित है। यदि आपने एक अपस्फित नस की त्वचा को काटा है और आपको खून के बहाव को नियंत्रित करने में मुश्किल हो रही है तो आप डॉक्टर के पास जाकर इलाज करा सकते हैं।

रोग के लक्षण

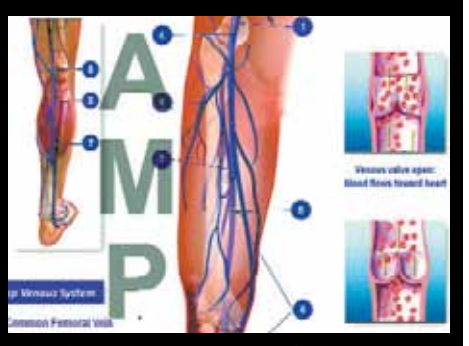

पैर में आमतौर पर अपस्फित नसें पैर के अंदर पाई जाती हैं, एड़ियों में और पिंडली के पीछे भी नसों का दबाव भड़ता है। प्रभावित नसें नीली, सूजी हुई, ऐंठन युक्त या मरोड़ी दिखती हैं। कुछ लोगों में अपस्फित नसों के कारण कोई भी लक्षण नहीं दिखते।

- पैरों में एक सुस्त दर्द
- दबाव या पैरों में भारीपन
- पैर और एड़ियों में सूजन
- क्षतिग्रस्त नसों के त्वचा के पास खुजली

लंबे समय की रुकावट से नसों का रक्त प्रवाह धीमा होने से स्थानीयकृत त्वचा में परिवर्तन और अधिक गंभीर मामलों में सूखापन एक खरोंच या भूरा रंग और घाव हो सकते हैं। धीमी गति से रक्त के प्रवाह भी प्रभावित होकर नसों के अंदर रक्त थक्का हो सकता है। इस हालत को घनास्त्रता कहते हैं। सामान्यतः अपस्फित नसों के लक्षण दिन के अंत में और बदतर हो सकते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक खड़े रहने के अवधि बाद यह समस्या उत्पन्न होती है। कुछ औरतों को उनके लक्षण माहवारी से पहले दिनों के दौरान और गर्भावस्था के दौरान अधिक दिखते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्जिकल हमले के बाद भी पाकिस्तान का रवैया नहीं बदलाः शिवसेना

मुंबई(एजेंसी)।

शिवसेना ने गलवान घाटी में झड़प संबंधी जानकारी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर बृहस्पतिवार को हैरानी जताते हुए कहा कि चीनी सैनिकों के भारतीय क्षेत्र में घुस आने की बात यदि सच है तो यह देश की सम्प्रभुता पर हमला है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में छपे संपादकीय में कहा कि पिछले छह साल से यह दावा किया जा रहा है कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और मजबूत हुआ है। पार्टी ने कहा, लेकिन इस समय पाकिस्तान, नेपाल और अब चीन ने हम पर सीधा हमला किया है। पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं है और यह हैरान करने वाली बात है कि हमारे नेता दुनिया जीतने के दावे कर रहे हैं। सामना में कहा गया, सर्जिकल हमले के बाद भी पाकिस्तान का रवैया नहीं बदला है। चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता और उसे धोखा देने के लिए जाना जाता है और यदि नेपाल भी भारत विरोधी रुख अपना लेगा तो हमारे देश के लिए स्थिति अच्छी नहीं है। पार्टी ने सवाल किया कि सीमा पर खासकर मौजूदा समय में कोई तनाव नहीं चाहता है, लेकिन क्या 20 जवानों का बलिदान व्यर्थ जाने दिया जाना चाहिए? उसने कहा, यदि कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की गई, तो मोदी की छवि को धक्का लगेगा। शिवसेना ने कहा कि सरकारी सूत्रों के अनुसार, गलवान घाटी में हुई झड़प में चीन का एक कमांडिग ऑफिसर और 30 से 40 जवान मारे गए हैं। उसने कहा, क्या हमें इस बात पर खुश होकर तालियां बजानी चाहिए? यदि यह बात सच है कि चीनी हमारे क्षेत्र में घुसे, तो यह हमारी सम्प्रभुता पर हमला है। यह हैरानी की बात है कि हमारे 20 जवानों के शहीद होने के बाद भी इस घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। शिवसेना ने कहा कि अमेरिका और चीन कोरोना वायरस वैश्विक महामारी संक्रमण को लेकर आपस में लड़ रहे हैं, लेकिन अमेरिका च्चीनी मिसाइलों की जद में नहीं आता। पार्टी ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि चीन हमारा पड़ोसी है। उसने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी बाजपेयी ने सीमा पर शांति बनाए रखने की कोशिश की क्योंकि सीमा पर तनाव होने की कीमत देश को चुकानी पड़ती है। शिवसेना ने कहा, यह कहना आसान है ।

शिवसेना ने कहा, यह कहना आसान है कि पड़ोसी देश को लेकर नेहरू की असफल विदेश नीति के कारण चीन के साथ तनाव की स्थिति पैदा हुई है, लेकिन चीन के साथ लगती सीमा पर हमारे जवानों की जान जाने से रोकना मोदी सरकार का दायित्व है।

संक्षिप्त समाचार

हिंसक झड़प का असर, भारतीय रेलवे ने रद्द किया चीन को दिया 471 करोड़ का ठेका

नेशनल डेस्क। लद्दाख की गलवान घाटी में चीन की हरकत के खिलाफ भारत का गुस्सा फूट पड़ा है। एक तरफ चीन में बने सामान के खिलाफ लोगों का आक्रोश दिख रहा है तो वहीं भारतीय रेलवे ने भी चीन को सबक सिखाने के लिए बड़ा कदम उठाया है । सूत्रों के अनुसार रेलवे ने चीनी कंपनी को दिया 471 करोड़ का ठेका रद्द कर दिया है। दरअसल सीमा पर हुई हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैन्यकर्मियों के शहीद होने के बाद देश के लोगों में गुस्सा और गम दोनों है। देश भर में चीन को हर मोर्चे पर घेरने और बहिष्कार की मांग उठ रही है। खबरों की मानें तो सीमा पर बढ़ चुके तनाव के बीच भारत सरकार ने उन प्रोजेक्ट की समीक्षा शुरू कर दी है, जिसका ठेका चीनी कंपनियों को दिया गया है। सरकार इन प्रोजेक्ट को कैंसल करने के लिए सभी कानूनी पहलुओं पर विचार कर रही है।

सुशांत की मौत पर विदेशों में भी निकली आह ! इसराईल ने जताया दुख, कहा- वो हमारे सच्चे दोस्त थे

इंटरनेशनल डेस्क। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जहां पूरा देश सदमे में है, वहीं उसके आत्महत्या के फैसले से दूसरे देश भी स्तब्ध हैं। विदेशों में सुशांत कितने

लोकप्रिय थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरी दुनिया में उनको श्रद्धांजलि दी जा रही है। सुशांत की मौत पर इसराईल ने भी अफसोस जताया है। इलराईली विदेश मंत्रालय के जनरल और डिप्टी डायरेक्टर गिलायड कोहेन ने सुशांत को श्रद्धांजलि देते हुए ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा- मैं सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर संवेदना व्यक्त करता हूं। वो इसराईल के सच्चे दोस्त थे। आपकी बहुत याद आएगी। बता दें कि सुशांत ने अपनी फिल्म ड्राइव का एक गाना इसराईल में शूट किया था। मखना गाने के वक्त ड्राइव की कास्ट इसराईल में मौजूद थी। उस गाने का लिंक भी सराईल ने इस ट्वीट में शेयर किया है। उनका ये ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून को अपने घर फांसी लगाकर आत्महत्या कल ली थी। उनके यूं चले जाना सभी को कचोट रहा है। जिस एक्टर ने अपनी फिल्मों में कभी न हारने की बात कही थी वह अपनी जिंदगी की पतंग क्यों काट गया ये सबको ही सता रहा है। सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद बॉलीवुड भी दो हिस्सों में बंटा नजर आ रहा है। कंगना रनौत, रवीना टंडन जैसे कई स्टार्स ने सुशांत के निधन के बाद नेपोटिज्म के मुद्दे को हवा दी। उन्होंने इंडस्ट्री पर भाई-भतीजावाद का आरोप लगाया। इसके अलावा एडवोकेट सुधीर कुमार ओझा ने बॉलीवुड के बड़े सेलेब्स- करण जौहर, संजय लीला भंसाली, सलमान खान, एकता कपूर के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

आधी रात का धोखाः हवलदार पलानी का सैन्य सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार, नम हुई सभी आखें

रामनाथपुरम। पूर्वी लद्दाख में चीन की सेना के साथ हुए धोखेबाज हमले में शहीद हुए हवलदार के. पलानी का उनके पैतृक गांव में बृहस्पतिवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पलानी की पार्थिव देह को कडाक्कालुर गांव में दफनाने से पहले उन्हें बंदूक से सलामी दी गई। देश के लिए जान कुर्बान करने वाले शहीद

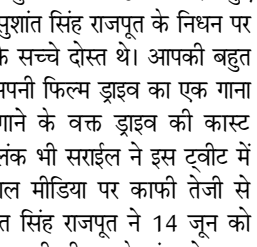

सैनिक को उनके परिवार सहित सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। सशस्त्र बलों के अधिकारियों, जिलाधिकारी, पुलिसकर्मियों और जन प्रतिनिधियों ने पलानी की पार्थिव देह वाले ताबूत पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अधिकारियों ने ताबूत से लिपटा तिरंगा उनके परिवार के सदस्यों को सौंपा, जिसके बाद ताबूत को दफनाया गया। जिलाधिकारी के. वीरा राघव राव ने पलानी को श्रद्धांजलि दी और 20 लाख रुपये का चेक परिवार को सौंपा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने पलानी के परिवार को यह रकम दिए जाने की घोषणा की थी। गौरतलब है कि सोमवार रात पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे।

मानसून के लिए हो जाएं तैयार! समय से पहले ही बदल जाएगा मौसम

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

उत्तर भारत के कई हिस्सों में तापमान सामान्य सीमा से अधिक बढ़ गया है, जिस कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। अब इसी बीच जबकि मौसम विभाग ने घोषणा की है कि मानसून राष्ट्रीय राजधानी में एक हफ्ते से भी कम समय में पहुंच जाएगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्लीवासियों को खुशखबरी सुनाते हुए कहा कि इस बार तीन-चार दिन पहले ही मानसून राष्ट्रीय राजधानी पहुंच जाएगा। आमतौर पर मानसून 27 जून को दिल्ली पहुंचता है। मौसम विभाग के क्षेत्रीय अनुमान केन्द्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम बंगाल और इसके आसपास मंडरा रहा एक चक्रवाती परिसंचरण 19 और 20 जून को दक्षिण पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ेगा। इससे मानसून को 22 और 23 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ हिस्सों, उत्तर-पूर्वी राजस्थान और पूर्वी हरियाणा की ओर से बढ़ने में मदद मिलेगी। इसका मतलब यह है कि इस बार मानसून चार दिन पहले यानि 22-23 जून को दिल्ली पहुंच जाएगा। मौसम विभाग ने इस साल उत्तर पश्चिमी भारत में सामान्य बारिश (103 प्रतिशत) होने का अनुमान जताया है। श्रीवास्तव ने कहा कि 18 और 19 जून तक दिल्ली का मौसम शुष्क रहेगा। इस बीच बुधवार को दिल्ली के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। हरियाणा और पंजाब में भी अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। दोनों राज्यों में हिसार सबसे गर्म स्थान रहा जहां तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चंडीगढ़ में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 39.3 डिग्री दर्ज किया गया। हरियाणा और पंजाब के लिए मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 19-21 जून के बीच कुछ स्थानों पर आंधी, वज्रपात के साथ 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। पंजाब में अगले दो दिनों में कुछ स्थानों पर लू चलने की आशंका है।

उत्तर प्रदेश में जोर पकड़ रहे मानसून की वजह से राज्य के अनेक पूर्वी हिस्सों में जमकर बारिश हुई। आंचलिक मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। हालांकि पश्चिमी भागों में इसने अभी रफ्तार नहीं पकड़ी है।

हरियाणा के पूर्व सांसद के बेटे पर दिल्ली में दर्ज हुआ रेप का मामला, लगे संगीन आरोप

नई दिल्ली/हिसार। हरियाणा के हिसार लोकसभा से सांसद रह चुके व भाजपा नेता सुरेन्द्र सिंह बरवाला के बेटे प्रशांत बरवाला पर रेप का मामला दिल्ली में दर्ज हुआ है। प्रशांत पर आरोप लगाने वाली महिला दिल्ली की रहने वाली है। महिला ने दिल्ली पुलिस लक्ष्मीनगर थाने में शिकायत दी, जिस पर दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धारा 376/506 के तहत 6 जून को मामला दर्ज किया है। महिला ने पुलिस की शिकायत में बताया कि वह 2017 में नौकरी की तलाश में थी। उसकी एक सहेली ने प्रशांत बरवाला से नौकरी दिलवाने को लेकर मुलाकात करवाई। प्रशांत बरवाला ने महिला को नौकरी के लिए मिलते रहने को कहा। इसके बाद प्रशांत ने उसे शादी करने व बच्चा पैदा करने की चाह का झांसा दिया और गुरुग्राम स्थित अपने घर ले जाकर शारीरिक संबंध बनाए। काफी दिनों तक ऐसा चलता रहा। कुछ दिनों बाद इसी साल फरवरी माह में जब वह गर्भवती हुई तो उसने प्रशांत को बताया, जिसपर प्रशांत ने उसे अबार्शन करवाने के लिए कहा। महिला ने आरोप लगाया है कि इसके बाद प्रशांत ने मेरी बैंक डिटेल लेकर उसमें 50 हजार रूपये ट्रांसफर करवा दिए। इसके बाद प्रशांत के दोस्त उमेद सिंह ने अबॉर्शन करवाने का दबाव बनाया। महिला ने शिकायत में बताया कि प्रशांत के दोस्त उम्मेद सिंह ने, प्रशांत की हैसियत और उसके पिता के मंत्री होने की धमकी और कहा कि हरियाणा में तेरी लाश का पता भी नहीं चलेगा।

लद्दाख विवादः 3 घंटे चली भारत-चीन मेजर जनरल स्तर की बातचीत, रही बेनतीजा

नेशनल डेस्क। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हिंसक झड़प वाले स्थान के पास भारत और चीन की सेनाओं के डिविजनल कमांडरों के बीच बैठक बेनतीजा रही। सैन्य सूत्रों ने इस बारे में जानकारी दी। दोनों देशों के डिविजनल कमांडरों के बीच करीब 3 घंटे तक बैठक चली। मेजर जनरल स्तरीय बातचीत में गलवान घाटी से सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया को लागू करने पर चर्चा हुई। 6 जून को दोनों पक्षों के बीच उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता में इसी पर सहमति बनी थी। लेह स्थित 3 इन्फेंट्री डिविजन के कमांडर मेजर जनरल अभिजीत बापट ने वार्ता में भारतीय प्रतिनिधित्व का नेतृत्व किया। मंगलवार को भी दोनों पक्षों के बीच मेजर जनरल स्तरीय बातचीत हुई। एक सूत्र ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से हिंसक झड़प के मुद्दे उठाए गए। भारत ने क्षेत्र में पीछे हटने की प्रकिया में तेजी लाने को कहा। हालांकि कोई सफलता नहीं मिली। बता दें कि गलवान घाटी में सोमवार को हिंसक झड़प में भारत के एक कर्नल सहित 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। इस झड़प को लेकर देशभर में रोष और गुस्सा है।

बुलंदशहर में सपाइयों ने फूंका चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का पुतला

बुलंदशहर(एजेंसी)।

गलवान वैली में चीनी सैनिकों द्वारा की गई ना क़ाबिल-ए-बर्दाश्त हरकत के बाद चीन के ख़िलाफ़ लगातार भारतीयों का गुस्सा फूट रहा है। इसी क्रम में आज बुलंदशहर में भी सपाइयों द्वारा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का पुतला फूंका गया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय से लेकर तहसीलों तक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन करते हुए शी जिनपिंग के पुतले को आग लगा दी। बुलंदशहर और खुर्जा के अलावा कई तहसीलों में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर चीनी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ शी जिनपिंग की फोटो लेकर चाइना मुर्दाबाद के नारों को बुलंद करते हुए हाथों में हिंदी चीनी बाय-बाय की तख्ती लेकर मार्च किया। सपाईयों ने पहले चाइनीज टीवी, स्टेबलाइजर समेत कई चाइनीज उपकरणों को तोड़ दिया और फिर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की फोटो और पुतले को फूंक डाला। गौरतलब है कि सोमवार की रात गलवान वैली में चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय सैनिकों पर जानलेवा हमला कर दिया गया था। जिसमें भारत की ओर से 20 जवान शहीद हो गए थे। हालांकि इस

दौरान हमारे जांबाजों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए 40 चीनी सैनिकों को मार गिराया। चीन की इस हरकत के बाद से देश के कई शहरों में चीन के खिलाफ भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है।

चीन के खिलाफ उबला जम्मू, कहा- चीनी सामान नहीं अब बदला चाहिये

जम्मू(एजेंसी)।

गलवान घाओ हिंसा के बाद अब देशभर में चीन और चीनी सामान के खिलाफ विरोध शुरू हो गया। वीरवार को जम्मू में जगह-जगह चीन के विरोध में प्रदर्शन आयोजित किये गये। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने चीन के नेताओं के पुतले और झंडे भी फूंके। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि चीनी सामान का पूरी तरह से बहिष्कार करने के साथ ही भारत को अब अपने शहीदों का बदला भी लेना होगा। आपको बता दें कि भारतीय सेना ने मंगलवार को बयान जारी किया था कि सोमवार रात को गलवान घाटी में चीन के साथ हिंसा के दौरान भारतीय सेना के 20 जवान शाहीद हो गये थे। इस घटना के बाद पूरे देश में चीन के खिलाफ आक्रोश बढ़ गया। जम्मू के अखनूर, कठुआ, उधमपुर, सांबा आदि क्षेत्रों में चीन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। क्षेत्रों में चीन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। लोग टायर जलाकरख् चीन का झंडा और नेताओं के पुतले जलाकर विरोध कर रहे हैं। वहीं देश की सरकार से भी मांग की जा रही है कि चीन के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मिली जानकारी के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-पुंछ मार्ग को बंद कर दिया और नारेबाजी की। वहीं काफी मात्रा में टायर फूंककर सड़क मार्ग को कई घंटों तक बाधित कर दिया। बजरंग दल ने जम्मू प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन किया। शिव सेना ने भी चीन के खिलाफ नारेबाजी की।

रायगढ़ में एक और हाथी का मिला शव, 10 दिन में छह हाथियों की मौत

रायगढ़(एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में वन विभाग ने हाथी का शव बरामद किया है। राज्य में पिछले 10 दिन में छह हाथियों की मौत हो चुकी है। रायगढ़ जिले के वन विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक हाथी का शव बरामद हुआ है। पिछले तीन दिन में इस क्षेत्र में हाथी का शव मिलने की दूसरी घटना है। घटना संबंधी धरमजयगढ़ क्षेत्र की वन मंडलाधिकारी प्रियंका पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि रायगढ़ से करीब 50 किलोमीटर दूर बेहरामार गांव में एक नर दंतैल हाथी का शव बरामद हुआ है। हाथी का शव एक किसान के घर के पीछे मिला है। पांडेय ने बताया कि आज सुबह ग्रामीण से सूचना मिलने पर वन अमला घटनास्थल पर पहुंचा तथा हाथी का शव बरामद किया गया। हालांकि हाथी की मौत के कारणों के बारे में जानकारी नहीं मिली है। पोस्टमार्टम के बाद हाथी की मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। मृत हाथी के दांत सुरक्षित है। इससे पहले रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र के गिरीशा गांव में मंगलवार को भी एक हाथी का शव बरामद किया गया था। आशंका जताई गई थी कि हाथी की मृत्यु करंट लगने के कारण हुई थी। इस मामले में बिजली विभाग के तीन कर्मियों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में पिछले 10 दिन में अब तक छह हाथियों की मौत हो चुकी है।

कोरोना संकट

सुप्रीम कोर्ट ने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पर लगाई रोक

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर इस साल पुरी में 23 जून से आयोजित होने वाली ऐतिहासिक जगन्नाथ रथ यात्रा और इससे संबंधित गतिविधियों पर वीरवार बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मामले की सुनवाई करते हुये कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिकों की सुरक्षा के हित को ध्यान में रखते हुये इस साल पुरी में रथ यात्रा की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर हम इस साल रथ यात्रा आयोजित होने देते तो भगवान जगन्नाथ हमें माफ नहीं करते क्योंकि महामारी के दौरान इतना बड़ा समागम आयोजित नहीं हो सकता। पीठ ने ओडिशा सरकार से कहा कि वह महामारी के प्रसार से बचने के लिये राज्य में कहीं भी रथ यात्रा या धार्मिक जुलूस और इससे संबंधित गतिविधियों की अनुमति नहीं दे। शीर्ष अदालत ने ओडिशा स्थित एक गैर सरकारी संगठन की जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में 10 से 12 दिन चलने वाली रथ यात्रा को इस साल रद्द करने या फिर इसे स्थगित करने का अनुरोध किया था। इस आयोजन में दुनिया भर के लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं। इससे पहले उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह राज्य सरकार पर निर्भर है कि वह धार्मिक कार्यक्रम होने देती है या नहीं, लेकिन यदि वह कार्यक्रम को अनुमति देती है तो उसे कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा और साथ ही रथ को व्यक्तियों की जगह मशीन या हाथी जैसे माध्यमों से खींचने पर विचार करना चाहिए। याचिकाओं में कहा गया कि रथयात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर इसे स्थगित या रद्द किया जाना चाहिए। रथयात्रा शुरू होने का कार्यक्रम 23 जून को है जो 10-12 दिन चलती है। इसके बाद 'बहुदा यात्रा (वापसी) का कार्यक्रम एक जुलाई को निर्धारित है।

जम्मू कश्मीर में कृषि सेक्टर को मिलेगा नया बूस्ट, अब कल्सटर होंगे विकसित

जम्मू । जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने किसानों को बाजार की सहायक सेवाएं प्रदान करने और विभिन्न बाजारों में उचित सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए फसल विशिष्ट कृषि शंकुलों (क्लस्टरों) के विकास की घोषणा की है। एक सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है। प्रवक्ता ने कहा कि वित्तवर्ष 2020-21 की वार्षिक योजना, 16.53 करोड़ रुपये की है, जो क्लस्टर की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही स्वीकृत है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत उपलब्धियों की समीक्षा करने के लिए राज्य खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारी समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तिलहन (ओएस) और तेल वाले बीज धारण करने वाले वृक्षों के क्षेत्र में प्रगति पर विशेष ध्यान दिया गया था। किसान की आय को दोगुना करने में मिशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्य सचिव ने एक स्थायी तरीके से क्षेत्र विस्तार और उत्पादकता बढ़ाने के माध्यम से खाद्यान्नों और तेलों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारियों ने एक फसल के लिए जलवायु उपयुक्तता का आकलन करने, आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने, किसानों को आवश्यक सहायक सहायता प्रदान करने और विभिन्न बाजारों में उचित सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा, इन शुंकुलों को किसी विशेष फसल के लिए उत्कृष्टता के छोटे क्षेत्रों में प्रवक्ता ने कहा कि बाद में, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की राज्य स्तरीय मंजूरी समिति ने मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में, वित्तवर्ष 2020-21 के लिए 75.80 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी दी।

पुलवामा में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में 1 आतंकवादी ढेर

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गुरुवार को हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा के पम्पोरी इलाके के मीज में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद आज सुबह सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी करने के बाद तलाश अभियान मुठभेड़ में बदल गया। सुरक्षा बल के जवानों ने भी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और अभियान अब भी जारी है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में भी सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया था। मौके से एक एके राइफल और एक इंसास राइफल बरामद हुई थी। इससे पहले शनिवार को कुलगाम जिले में भी दो आतंकवादी मारे गए थे। आधिकारिक आकलन के अनुसार इस साल केन्द्र शासित प्रदेश में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं, जिनमें विभिन्न संगठनों के 10 से अधिक शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल में कम से कम 28 आतंकवादी मारे गए हैं अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल में कम से कम 28 आतंकवादी मारे गए हैं जबकि पिछले पखवाड़े में 22 आतंकवादी मारे गए हैं। वहीं, जनवरी और मई में 18-18 और फरवरी और मार्च में सात-सात आतंकवादी मारे गए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप ने उइगर मुसलमानों पर कार्रवाई को लेकर चीन पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के अशांत मुस्लिम बहुल शिनजियांग क्षेत्र में उइगर अल्पसंख्यक समूहों के मानवाधिकार उल्लंघन की आलोचना करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर उसे कानूनी जामा पहना दिया है जिससे चीन के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। ट्रंप ने कहा कि उइगर मानवाधिकार नीति कानून, 2020 से मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। इन मानवाधिकार उल्लंघनों में चीन में उइगरों और अन्य अल्पसंख्यकों का जबरन धर्म परिवर्तन करने वाले शिविर, जबरन मजदूरी और जातीय एवं धार्मिक पहचान मिटाने की कोशिश करना शामिल है। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने बीजिंग में इस कानून की आलोचना की और कहा कि यह शिनजियांग क्षेत्र में चीन की नीति पर ''दुर्भावनापूर्ण रूप से हमला करता'' है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''चीन दृढ़ता से पलटवार करेगा और अमेरिका को इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे।''शिनजियांग में उइगर मुसलमानों पर कार्रवाई में शामिल वरिष्ठ चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने वाले इस विधेयक को कांग्रेस में रिपब्लिकन तथा डेमोक्रट की ओर से भरपूर समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग ने उइगर मानवाधिकार नीति कानून पर हस्ताक्षर करने के लिए ट्रंप का शुक्रिया अदा किया है।

पाकिस्तान ने 'संघर्षविराम उल्लंघनों' को लेकर भारतीय मिशन के प्रभारी को तलब किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को भारतीय उच्चायोग के प्रभारी गौरव अहलूवालिया को तलब किया और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा कथित रूप से किए गए संघर्ष विराम उल्लंघनों पर अपना विरोध दर्ज कराया। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि महानिदेशक (दक्षिण एशिया और दक्षेस) जाहिद हफीज चौधरी ने 17 जून, 2020 को संघर्ष विराम उल्लंघनों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। बयान में कहा गया कि ''अंधाधुंध और अकारण गोलीबारी'' के कारण चार लोग मारे गए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसमें आरोप लगाया गया कि भारतीय सेना नियंत्रण रेखा और कामकाजी सीमा (डब्ल्यूबी) के पास लगातार गोलाबारी, भारी क्षमता वाले मोर्टार और स्वचालित हथियारों के साथ गोलीबारी कर रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बना रही है। एफओ ने चौधरी के हवाले से कहा, ''भारत सरकार को यह महसूस होना चाहिए कि उसकी गैर जिम्मेदाराना नीतियां और एकतरफा कार्रवाई क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही है तथा उसे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।'' उन्होंने भारतीय पक्ष से 2003 के संघर्ष विराम समझौते का सम्मान करने, संघर्ष विराम उल्लंघन की ऐसी और अन्य घटनाओं पर विराम लगाने और एलओसी और डब्ल्यूबी के पास शांति बनाए रखने की अपील की। इससे पहले, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि एलओसी के साथ-साथ निकियाल और बागसर सेक्टरों में भारतीय बलों द्वारा की गई कथित गोलीबारी में कम से कम चार नागरिकों की मौत हो गई। सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान सेना के जवानों ने भारतीय गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

कोरोना की चमत्कारी दवा को लेकर डब्ल्यूएचओ ने चेताया, कहा- इससे नहीं होगा बचाव

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने स्पष्ट किया है कि डेक्सामेथासोन कोविड-19 का इलाज या बचाव नहीं है और इसका इस्तेमाल डॉक्टरों की निगरानी में सिर्फ बेहद गंभीर मरीजों पर किया जाना चाहिये जिन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य आपदा कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डॉ. माइकल रेयान ने कोविड-19 पर नियमित प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि डेक्सामेथासोन अपने-आप में वायरस का उपचार नहीं है। यह उसका बचाव भी नहीं है। सच्चाई तो यह है कि ज्यादा पावर वाले स्टेरॉइड मानव शरीर में वायरस की संख्या तेजी से बढ़ाने में मददगार हो सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि यह दवा सिर्फ बेहद गंभीर मरीजों को दी जाये जिनको इससे स्पष्ट रूप से लाभ हो रहा है। डेक्सामेथासोन इनफ्लेमेशन की जानी-मानी दवा है। ब्रिटेन में एक रिकवरी ट्रायल के दौरान अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि कोविड-19 के गंभीर मरीजों को यह दवा देने से मृत्यु दर काफी कम हो जाती है हालांकि हल्के लक्षणों वाले मरीजों को इस दवा से कोई लाभ नहीं होता। गंभीर मरीजों पर इस दवा के काम करने के तरीके के बारे में बताते हुये डॉ. रेयान ने कहा कि अधिक पावर की इनफ्लेमेशन की दवा होने के कारण यह उन गंभीर मरीजों की जान बचा सकती है जिनके फेफड़े में इनफ्लेमेशन है और जिन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया है। संभवतः यह दवा देने से बीमारी बेहद महत्वपूर्ण चरण में मरीज के फेफड़े का इनफ्लेमेशन कम हो जाता है और उनके रक्त में ऑक्सीजन की आपूर्ति जारी रहती है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. तेद्रोस गेब्रियेसस ने परीक्षण के परिणामों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुये कहा कि शुरुआती नतीजों के अनुसार, जिन मरीजों को सिर्फ ऑक्सीजन पर रखा गया है उनकी मृत्यु दर 80 फीसदी और जिन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया है ।

चीन को बड़ा झटका, ट्रंप ने सिखाया सबक

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के मामले को लेकर चीन के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को उइगर और अन्य जातीय अल्पसंख्यकों पर कार्रवाई के लिए दंडित करने का प्रयास से जुड़े एक कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। विधेयक में पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में उइगरों और अन्य जातीय समूहों की व्यापक निगरानी और उनकी हिरासत में शामिल चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध की बात है। यह कानून किसी भी देश द्वारा चीन को कठोर कार्रवाई के लिए दंडित करने की सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाई का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें एक लाख से अधिक लोगों को कठोर परिस्थितियों में शिविरों में हिरासत में रखा गया है। इससे चीन के साथ पहले से तनावपूर्ण संबंधों के और भड़कने की उम्मीद है।

कांग्रेस ने थोड़ा विरोध के साथ विधेयक पारित किया। ट्रंप ने बुधवार को बिना किसी समारोह के हस्ताक्षर किए, क्योंकि राज्य के सचिव माइक पोम्पिओ एक वरिष्ठ चीनी राजनयिक के साथ मिलने के लिए हवाई में थे। ट्रंप ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि 2020 का उइगर मानवाधिकार नीति अधिनियम मानवाधिकारों के उल्लंघन के अपराधियों को जवाबदेह ठहराएगा। एक वकील और उइगर अधिकारों के अधिवक्ता और अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग के सदस्य नूरी तुर्केल ने राष्ट्रपति को एक सोशल मीडिया पोस्ट में धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा यह अमेरिका और उइगर लोगों के लिए एक महान दिन है,। कांग्रेस के सदस्यों ने शिनजियांग में दरार को लेकर चीन पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून बनाने का इरादा किया, जहां अधिकारियों ने एक लाख से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 के टीके की होड़ में कहीं पीछे ना रह जाए यह देश

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस के लिए टीका विकसित करने की तेज होती होड़ के बीच अमीर देश इन टीकों के लिए पहले से ही ऑर्डर दे रहे हैं और ऐसे में गरीब एवं विकासशील देशों को ये टीके मिल भी पाएंगे कि नहीं यह एक बड़ा सवाल बन गया है। संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रेसेंट और अन्य संगठनों ने पिछले महीने कहा था कि यह नैतिक रूप से अनिवार्य है कि सभी लोगों तक टीका पहुंचे। लेकिन किसी विस्तृत रणनीति के बिना, टीकों का सही आवंटन संभव नहीं है। जिनेवा के मेडीसिन्स सैंस फ्रंटियर्स की एक वरिष्ठ कानूनी और नीति सलाहकार युआन क्यूओंग हू ने कहा कि हमारे पास, सभी तक टीका पहुंच रहा है, इसकी एक सुंदर तस्वीर तो है लेकिन यह कैसे होगा इसके लिए कोई रणनीति नहीं है। इस महीने की शुरुआत में एक वैक्सीन शिखर सम्मेलन में घाना के राष्ट्रपति नाना अकुफो-अडो ने कहा था कि कोविड-19 के वैश्विक प्रसार ने हमें बता दिया है कि बीमारियों सीमाओं तक सीमित नहीं होती और कोई देश इससे अकेले नहीं निपट सकता। केवल टीका ही मानव को इस वायरस से बचा सकता है। दुनियाभर में वायरस के लिए टीका बनाने की कोशिश जारी है लेकिन किसी को भी अगले साल से पहले इसके लिए लाइसेंस मिलने की उम्मीद नहीं है। फिर भी कई अमीर देशों ने इसके आने से पहले ही इसके लिए ऑर्डर देना शुरू कर दिया है। ब्रिटेन और अमेरिका इनमें लाखों डॉलर लगा चुके हैं और इसके बदले में दोनों देश चाहते हैं कि उन्हें प्राथमिकता दी जाए। यहां तक कि ब्रिटश सरकार तो घोषणा भी कर चुकी हैं कि टीके को मंजरी मिलने पर उसकी पहली तीन करोड़ खुराक (डोज) ब्रिटेन को दी जाएगी। कम्पनी 'एस्ट्राजेनेका ने भी कम से कम 30 करोड़ खुराक अमेरिका को उपलब्ध कराने के लिए अनुबंध किया है।

नाटो की रडार पर है चीनः अमेरिकी दूत

वॉशिंगटन। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में अमेरिका की एक शीर्ष दूत ने कहा है कि चीन अपने कदमों के कारण नाटो की रडार पर जिस तरह इस समय है, पहले कभी नहीं रहा। नाटो में अमेरिका की स्थायी प्रतिनिधि के बैली हचिसन ने यहां डिजिटल बैठक में संवाददाताओं से कहा, ''चीन एक शांतिपूर्ण साझीदार, एक अच्छा व्यापार सहयोगी हो सकता था, लेकिन वह इस समय ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा है। मुझे लगता है कि नाटो सहयोगी इस पर नजर रख रहे हैं और इस बात का आकलन कर रहे हैं कि चीन क्या कर रहा है।'' हचिसन ने ताइवान, जापान और भारत के खिलाफ चीन के आक्रामक एवं उकसाने वाले कदमों पर कहा, ''वह हमारी रडार पर है और मुझे लगता है कि ऐसा होना चाहिए क्योंकि हमें जोखिम का आकलन करना चाहिए। हमें सबसे अच्छा होने की उम्मीद करनी चाहिए, लेकिन सबसे खराब के लिए तैयार रहना चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वास्तविक सैन्य संघर्ष का खतरा निकट है, उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि नाटो इस मामले में अब पूर्व की ओर देख रहा है।'' हचिसन ने 5जी नेटवर्क के बारे में कहा, ''हम हमारे संचार को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं और देख रहे हैं कि हमारे कुछ चीनी प्रतिद्वंद्वी संचार प्रदाताओं द्वारा तैयार किए गए संविदात्मक दायित्वों को नियंत्रित करने में सक्षम नहीं हैं। 'बेल्ट एवं रोड' पहल समेत ये सभी चीजों हमारे सहयोगियों के बीच इस बात को लेकर चिंता पैदा कर रही हैं कि चीन का इरादा क्या है।''उन्होंने कहा कि अमेरिका इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट है कि वह चीन को वैश्विक व्यवस्था में साझीदार बनाना चाहता है और यह ज्ञात है कि चीन ने बौद्धिक संपदा की चोरी की है और विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं विश्व की अदालतों द्वारा तय शुल्कों एवं सब्सिडी का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान में कोविड-19 के मामले 1,60,000 के पार , मृतक संख्या 3,093 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में 118 और लोगों की कोविड-19 से जान जाने के बाद देश में मृतक संख्या 3000 के पार पहुंच गई और संक्रमण के मामले भी 1,60,000 के पार चले गए हैं । स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि देश में अभी तक 59,215 मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में अभी तक 9,82,012 लोगों की कोरोना वायरस की जांच की गई है, जिनमें से 31,500 लोगों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई है। उसने बताया कि 5,358 नए मामलों के साथ ही देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,60,118 हो गए हैं। वहीं 118 और लोगों की जान जाने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 3093 हो गई है। वहीं 118 और लोगों की जान जाने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 3093 हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 के सबसे अधिक 60,138 मामले पंजाब में , उसके बाद सिंध में 59,983 मामले , खैबर पखतूनखवा में 19,613 , इस्लामाबाद में 9,637 , बलूचिस्तान में 8,794, गिलगित बल्तिस्तान में 1,213 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 740 मामले हैं।

अमेरिका के पूर्व एनएसए बोल्टन ने खोली पोलः ट्रंप ने 2020 के चुनाव जीतने के लिए चीन से मांगी मदद

लॉस एंजलिस (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में दोबारा जीतने के लिए जी-20 शिखर सम्मेलन में चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग से मदद मांगी थी। यह दावा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने अपनी नई किताब में किया है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि बोल्टन की आगामी किताब में ''गोपनीय सूचनाएं'' हैं और न्याय विभाग ने इस किताब के प्रकाशन पर अस्थायी रोक लगाने की मांग की है। ''द रूम वेयर इट हैपन्ड = अ व्हाइट हाउस मेमोयर'' नाम की इस किताब के अंश द न्यूयॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बुधवार को छापे। इस किताब के 23 जून से दुकानों में मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रपति ने पिछले साल बोल्टन को बर्खास्त कर दिया था। ट्रंप ने बुधवार को द वॉल स्ट्रीट जर्नल से कहा, ''वह झूठा है। व्हाइट हाउस में हर कोई जॉन बोल्टन से नफरत करता है।''राष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज को एक साक्षात्कार में कहा कि बोल्टन ने ''अत्यधिक गोपनीय सूचना'' सार्वजनिक की है। उन्होंने कहा, ''और उनके पास इसके लिए मंजूरी भी नहीं है।''अपनी किताब में बोल्टन ने यह भी आरोप लगाया है कि जब शी ने पिछले साल ट्रंप को बताया कि चीन उइगर मुसलमानों को बड़ी संख्या में नजरबंद करने के लिए बंदी शिविर बना रहा है तो ट्रंप ने कहा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। अपनी किताब में बोल्टन ने संदेह जताया है कि क्या ट्रम्प द्वारा चीन के खिलाफ अपनाया गया कड़ा रुख चुनावों तक टिका रहेगा। उन्होंने लिखा, ''सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या ट्रम्प का चीन को लेकर मौजूदा रुख चुनाव वाले दिन तक बना रहेगा? ट्रम्प प्रेजीडेंसी दर्शन, रणनीति या नीति पर आधारित नहीं है। यह ट्रम्प पर आधारित है। यह उन लोगों खासतौर से चीनी यथार्थवादियों के लिए सोचने का वक्त है जिन्हें पता है कि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में क्या करेंगे।''बोल्टन ने दावा किया कि ट्रम्प ने जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर 29 जून 2019 को ओसाका में एक बैठक के दौरान अपने पुनः चुनाव में चीनी राष्ट्रपति से मदद मांगी थी। बोल्टन ने कहा, ''ओसाका में 29 जून को हुई बैठक में शी ने ट्रम्प से कहा कि अमेरिका-चीन के संबंध दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि कुछ (बिना नाम लिए) अमेरिकी नेता चीन के साथ नए शीतयुद्ध की बात करके गलत टिप्पणियां कर रहे हैं।'' उन्होंने लिखा, ''मुझे नहीं मालूम कि शी का इशारा डेमोक्रेट्स की ओर था । या अमेरिकी सरकार के कुछ लोगों की तरफ लेकिन ट्रम्प ने फौरन मान लिया कि शी का मतलब डेमोक्रेट्स से है। ट्रम्प ने सहमति जताते हुए कहा कि डेमोक्रेट्स में चीन के प्रति शत्रुता का भाव है।'' बोल्टन ने कहा, ''इसके बाद बातचीत अचानक से आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर पहुंच गई जिसमें चीन की आर्थिक क्षमता की ओर इशारा किया गया और शी से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया कि वह जीत जाएं।''इस किताब के अंश प्रकाशित होने के तुरंत बाद डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने ट्रम्प की आलोचना की। पूर्व उपराष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, ''आज हमें जॉन बोल्टन से मालूम चला कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने राजनीतिक भविष्य की रक्षा करने के लिए अमेरिकी लोगों को बेच दिया। उन्होंने चीन के नेता शी चिनफिंग से कथित तौर पर सीधे दोबारा चुनाव जीतने में मदद मांगी।'' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैली मैकनैनी ने एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, ''इस किताब में कई गोपनीय सूचनाएं हैं जो अक्षम्य है। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन को भी यह समझना चाहिए कि ऐसी किताब में अमेरिका की सरकार की अत्यधिक गोपनीय सूचनाएं होना अस्वीकार्य है जो प्रकाशित होगी। यह ट्रंप पर आधारित है। यह उन लोगों खासतौर से चीनी यथार्थवादियों के लिए सोचने का वक्त है जिन्हें पता है कि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में क्या करेंगे।'' बोल्टन ने दावा किया कि ट्रम्प ने जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर 29 जून 2019 को ओसाका में एक बैठक के दौरान अपने पुनः चुनाव में चीनी राष्ट्रपति से मदद मांगी थी।

ताइवान में फिर घुसे चीन के लड़ाकू विमान, दोनों देशों के बीच बढ़ा तनाव

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा(एलएसी) पर हिंसक झड़प बाद चीन अपने अन्य पड़ोसी देशों से भी पंगा लेने से बाज नहीं आ रहा है। अब चीन के लड़ाकू विमान बार-बार ताइवान में घुस रहे हैं हालांकि, ताइवान ने हर बार चीनी विमानों को खदेड़ दिया है। गुरुवार को चीनी एयर फोर्स के लड़ाकू विमान ताइवान के एयरस्पेस में घुस गए। पिछले 10 दिनों में यह पांचवीं बार है जब चीन ने इस फाइटर जेट ताइवान में घुसे हैं जिस कारण दोनों देशों में तनाव काफी बढ़ गया है। ताइवान एयर फोर्स ने कहा है कि चीन के छु-10 और छु-11 लड़ाकू विमान ताइवान के दक्षिण पश्चिम भाग में एयरस्पेस में घुसे। नियमित पट्रोलिंग पर रहने वाले ताइवान के फाइटर्स ने चाइनीज विमानों को रेडियो पर चेतावनी दी इसके बाद वे ताइवान के एयर डिफेंस जोन से निकल गए। 9 जून से अब तक पांच बार इस तरह चीन के लड़ाकू विमानों ने ताइवान में घुसने की कोशिश की है। हर बार उन्हें ताइवान के फाइटर जेट्स ने खदेड़ दिया है। ताइवान का कहना है एक तरफ दुनिया कोरोना वायरस महामारी से लड़ रही है तो दूसरी तरफ चीन ने हाल के महीनों में उसके खिलाफ सैन्य गतिविधियों में इजाफा कर दिया है और डराने की कोशिश कर रहा है। गौरतलब है कि चीन इस लोकतांत्रिक आइलैंड पर अपना दावा करता रहा है। चीन ने इस मुद्दे पर अभी कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। बीजिंग अक्सर कहता रहा है कि इस तरह के अभ्यास में कोई असामान्य बात नहीं है।

यह देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता दिखाने के लिए किया जाता है। चीन ने ताइवान को अपने नियंत्रण में लेने के लिए बल प्रयोग की घोषणा नहीं की है। हालांकि, पिछले महीने चीन के एक सीनियर जरनल ने कहा था कि चीन तभी अटैक करेगा जब ताइवान को स्वतंत्र हो जाने से रोकने के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा।

बांग्लादेश ने कोरोना वैक्सीन के लिए 2 दवाओं के संयोजन का क्लीनिकल ट्रायल किया शुरू

ढाका। बांग्लादेश ने कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिये एंटी-पेरेस्टिक और एंटीबायोटिक टीकों का बुधवार को नैदानिक परीक्षण शुरू कर दिया। इससे पहले दो दवाओं के संयोजन से बने इन टीकों को कोविड-19 रोगियों के लगाए जाने पर सकारात्मक परिणाम सामने आए थे। बांग्लादेश स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर डायरियल डिजीज रिसर्च ने कहा कि ढाका में चार अस्पतालों में कोविड-19 के 72 रोगियों पर इसका परीक्षण किया जाएगा। सेंटर ने एक बयान में कहा, ने एंटी-पेरेसिटिक दवा आईवरमेक्टिन और एंटी बायोटिक दवा डॉक्सीसाइक्लीन के संयोजन या फिर अकेले आईवरमेक्टिन की प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिये नैदानिक परीक्षण शुरू कर दिया है। बयान में कहा गया है कि वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ प्रोफेसर तारिक आलम के नेतृत्व में बांग्लादेशी डॉक्टरों कीएक टीम ने इस संयोजन के इस्तेमाल का सुझाव दिया है क्योंकि जिन 60 रोगियों को यह दवाएं दी गईं, वे कुछ ही दिन में ठीक हो गए। एक टीम ने इस संयोजन के इस्तेमाल का सुझाव दिया है क्योंकि जिन 60 रोगियों को यह दवाएं दी गईं, वे कुछ ही दिन में ठीक हो गए। इस बीच, रूस ने भी बुधवार को कोरोना वायरस टीके का परीक्षण शुरू कर दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय के बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि मॉस्को स्थित गमालेया अनुसंधान संस्थान ने तरल और पाउडर दो तरह के टीके विकसित किये हैं। स्थित गमालेया अनुसंधान संस्थान ने तरल और पाउडर दो तरह के टीके विकसित किये हैं। इनका 38-38 लोगों के दो समूहों पर परीक्षण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा परिषद में चुने जाने पर अमेरिका ने भारत को दी बधाई

वाशिंगटन। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का स्वागत करते हुए कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सुरक्षा परिषद में भारत के साथ मिलकर काम करने का इच्छुक है । अमेरिका के विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया ब्यूरो ने कहा कि ''हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का गर्मजोशी से स्वागत'' करते हैं और ''भारत के चुने जाने पर उसे बधाई देते है'' उसने ट्वीट किया, ''हम अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के मामलों पर मिलकर काम करने के इच्छुक हैं। यह भारत और अमेरिका के बीच समग्र वैश्विक रणनीतिक साझीदारी का विस्तार है।'' भारत शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के चुनाव में मिले जबरदस्त समर्थन की मदद से दो साल के लिए इसका अस्थायी सदस्य चुना गया है। इस अभूतपूर्व चुनाव में 192 सदस्य देशों के राजनयिकों ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर सामाजिक दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए और मास्क पहनकर मतदान किया। सुरक्षा परिषद की पांच अस्थायी सीटों के लिए हुए चुनाव में एशिया-प्रशांत देशों की श्रेणी से उम्मीदवार भारत को 192 मतों में से 184 मत मिले। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का दो वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी 2021 से शुरू होगा। भारत के अलावा आयरलैंड, मेक्सिको और नॉर्वे ने भारत के अलावा आयरलैंड, मेक्सिको और नॉर्वे ने भी चुनाव जीता। इससे पहले भारत 1950-1951, 1967-1968, 1972-1973, 1977-1978, 1984-1985, 1991-1992 तथा 2011-2012 में परिषद का अस्थायी सदस्य बना था।

ट्रम्प ने दोबारा चुनाव जीतने के लिए शी चिनफिंग से मदद मांगी : बोल्टन का दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में दोबारा जीतने के लिए पिछले साल जापान में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग से मदद मांगी थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने अपनी नयी किताब में यह दावा किया है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि बोल्टन की आगामी किताब में ''गोपनीय सूचनाएं'' हैं और न्याय विभाग ने इस किताब के प्रकाशन पर अस्थायी रोक लगाने की मांग की है। ''द रूम व्हेयर इट हैपन्ड : अ व्हाइट हाउस मेमोयर'' नाम की इस किताब के अंश द न्यूयॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बुधवार को छापे। इस किताब के 23 जून से दुकानों में मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रपति ने पिछले साल बोल्टन को बर्खास्त कर दिया था। ट्रंप ने बुधवार को द वॉल स्ट्रीट जर्नल से कहा, ''वह झूठा है। व्हाइट हाउस में हर कोई जॉन बोल्टन से नफरत करता है।''राष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज को एक साक्षात्कार में कहा कि बोल्टन ने ''अत्यधिक गोपनीय सूचना'' सार्वजनिक की है। उन्होंने कहा, ''और उनके पास इसके लिए मंजूरी भी नहीं है।''अपनी किताब में बोल्टन ने यह भी आरोप लगाया है कि जब शी ने पिछले साल ट्रंप

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनपा चुनावों से पहले गुजरात राज्य महानगरों की सीमाएं बढ़ी,

सूरत महानगर पालिका में 2 नगर पालिका और 27 ग्राम पंचायतों का समावेश

अहमदाबाद, गुजरात में महानगर पालिका चुनावों से पहले अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, सूरत, गांधीनगर और भावनगर की सीमा बढ़ा दी गई है!

अहमदाबाद महानगर पालिका में 1 नगर पालिका के अलावा 7 गांव के कई इलाके भी शामिल किए गए हैं!

अहमदाबाद महानगर पालिका में बोपल और घूमा नगर पालिका के अलावा चिलोडा, नरोडा और कठवाडा को शामिल किया गया है! गांधीनगर महानगर पालिका में 1 पेथापुर नगर पालिका और कुडासण, रायसण, कोबा, राधे सरगासण, वासडा, हडमतिया, वावोल, कोलवडा, पोर, अंबापुर, अमियापुर, भाट, सुघड, झुंडाल, खोरज, कोटेश्वर, नभोई और रांधे समेत 18 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है!

वडोदरा महानगर पालिका में 7 ग्राम पंचायतों को विलीन किया गया है!

सूरत महानगर पालिका में 2 नगर पालिका और 27 ग्राम पंचायतों का समावेश किया गया है!

राजकोट महानगर पालिका में 4 ग्राम पंचायत और भावनगर महानगर पालिका में 1 ग्राम पंचायत को शामिल किया गया है!

सूरत। राज्य निगम में एक नया सीमांकन किया गया है। जिसमें सूरत महानगर पालिका की सीमा बढ़ाने के लिए एक अधिसूचना भी जारी की गई है। सूरत नगर निगम में 2 नगर पालिका और 27 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि सूरत नगर निगम का विस्तार 14 वर्षों के बाद किया गया है।

जिसमें दो नगर पालिका और 27 ग्राम पंचायत शामिल हैं

सचिन और कनसाड नगरपालिकाओं को सूरत नगर निगम में शामिल किया गया है। जबकी सेगवा,सयदला, वासवारी, गोथन, उमरा, भरथना कोसाड, पारदी कांडे, तालंगपुर,उमेंर, कंदी फलिया, भाटपर, भाठा, इच्छापोर, भेसन, असारमा, खटोदरा, वालक, लसकाणा, वेलनजा, अब्रामन, भाड़ा, कठोर, खड़सन, पसोदड़ा, कुभारिया और सरोली ग्राम पंचायत शामिल हैं।

उधना में शराब के नाशे में गला काटकर किया हत्या

सुरत, शहर में उधना क्षेत्र के अंतर्गत भींमनगर में एक महिला की हत्या उसके ससुर ने नशे के हालत में किया.मूर्तक महिला का नाम नेहा था जो कुछ वर्ष पहले ही प्रेम विवाह किया था,पुलिस ने आरोपी ससुर को पकड़ कर जेल के हवाले किया. और इस घटना के बारे में आगे की जाँच कर रही हैं

बगैर मास्क निकली महिला ने रोकने पर किया हंगामा, तीन महिला गिरफ्तार

सूरत , शहर के रांदेर क्षेत्र में मास्क पहने बैगर बाहर निकली महिला को पुलिस द्वारा रोकने पर उसने हंगामा शुरू कर दिया! पुलिस ने एपेडेमिक डिसिज एक्ट और पुलिस आयुक्त के आदेश का उल्लंघन करने पर तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया बता दें कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने सोशल डिस्टेंस का पालन और मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है! ऐसा नहीं करने पर पहले महानगर पालिका या नगर पालिका जुर्माना वसूल करती थी! लेकिन अब यह जिम्मेदारी पुलिस को सौंप दी गई है! बीते दिन शहर के रांदेर क्षेत्र के रामनगर चौराहे पर पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी! उस वक्त एक्टिवा चालक महिला को बगैर मास्क देख पुलिस ने उसे रोक लिया और 200 रुपए जुर्माना भरने को कहा! जुर्माना भरने से इंकार करते हुए महिला ने हंगामा शुरू कर दिया! इस दौरान महिला की दो संबंधी महिलाओं समेत आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए! पुलिस ने तुरंत महिला कांस्टेबल को बुलाया और एक्टिवा चालक टीना कपिल मियात्रा समेत उसकी संबंधी महिलाएं देवु उमेश मियात्रा और सोनल नितिन मियात्रा को एपेडेमिक डिसिज एक्ट और पुलिस आयुक्त के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया!

द्वारका के पूर्व विधायक पबुभा माणेक का मोरारी बापू पर हमले का प्रयास

अहमदाबाद, देवभूमि द्वारका के भाजपा के पूर्व विधायक पबुभा माणेक ने आज विख्यात कथाकार मोरारी बापू पर हमले का प्रयास किया हांलाकि वहां मौजूद जामनगर की भाजपा सांसद पूनम माडम समेत अन्य लोगों के कारण पबुभा माणेक सफल नहीं हुए! दरअसल कुछ समय पहले मोरारी बापू ने भगवान श्रीकृष्ण और बलभद्र समेत उनके परिवार को लेकर विवादित टिप्पणी की थी! मोरारी बापू ने कहा था कि "दुनियाभर में धर्म की स्थापना करने वाले भगवान श्रीकृष्ण द्वारका में धर्म की स्थापना करने में असफल रहे! भगवान श्रीकृष्ण का परिवार शराब पीता था! बलभद्र तो दिन रात शराब के नशे में धुत्त रहते थे! नहीं मिलने पर चोरी चकारी से भी पीछे नहीं हटते थे" मोरारी बापू की इस टिप्पणी के बाद हिन्दु संगठनों खासकर आहिर समाज में आक्रोश भड़क उठा था!

हांलाकि कुछ दिन पहले मोरारी बापू ने अपनी इस टिप्पणी पर माफी मांग ली थी! लेकिन लोगों का कहना था कि मोरारी बापू द्वारका आएं और द्वारकाधीश के चरणों में शीश झुका कर माफी मांगे मोरारी बापू आज द्वारका गए थे!

जहां भाजपा सांसद पूनम माडम की मौजूदगी में मोरारी बापू एक कमरे में बैठक कर रहे थे! उस वक्त द्वारका के पूर्व विधायक पबुभा अचानक वहां पहुंच गए और मोरारी बापू पर झपटने का प्रयास किया! लेकिन वहां बैठी पूनम माडम समेत अन्य लोगों ने पबुभा के कुछ करने से पहले उन्हें रोक लिया!

राज्य की 3.36 करोड़ गरीब–अंत्योदय आबादी के लिए मुख्यमंत्री का अहम निर्णय

68.80 लाख राशन कार्ड धारकों को लगातार तीसरी बार जून महीने में भी निःशुल्क अनाज वितरण

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत चिन्हित अंत्योदय और प्राथमिकता वाले परिवार अर्थात पीएचएच राशन कार्ड धारक 68.80 लाख परिवारों के 3 करोड़ 36 लाख लोगों को लगातार तीसरी बार जून महीने के लिए भी निःशुल्क अनाज वितरण करने का निर्णय किया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने राज्य के अंत्योदय परिवारों को अनाज प्राप्त करने में कोई मुश्किल न हो और किसी को भूखा न रहना पड़े, ऐसी अंत्योदय कल्याण की भावना से कोरोना वायरस के चलते पैदा हुए लॉकडाउन के हालात में अप्रैल और मई महीने के दौरान राज्य के 68.80 लाख अंत्योदय–गरीब परिवारों को सरलता से निःशुल्क अनाज मुहैया कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की थी।

अब अनलॉक–1 के अंतर्गत बहाल हो रहे जनजीवन की स्थिति में ऐसे परिवारों को आर्थिक सक्षमता मिलने तक मुख्यमंत्री ने निःशुल्क अनाज वितरण का एक और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया है। इस निर्णय के अनुसार 15 जून से राज्य की 17 हजार सरकारी मान्यता प्राप्त उचित मूल्य की दुकानों पर अनाज वितरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जो 25 जून तक जारी रहेगी। सामाजिक दूरी के नियमों की पालना, मास्क का अनिवार्य उपयोग और भीड़भाड़ से बचने की सतर्कता के साथ एनएफएसए के अंतर्गत शामिल 68.80 लाख राशन कार्ड धारकों को लगातार तीसरी बार जून महीने में भी मुफ्त अनाज वितरण शुरू हुआ है। अनाज वितरण व्यवस्था को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए एनएफएसए राशन कार्ड धारकों के कार्ड नंबर के आखिरी नंबर के अनुसार वितरण के दिन निर्धारित किए गए हैं। 15 जून से शुरू हुए निःशुल्क अनाज वितरण के तहत गुरुवार, 18 जून तक राज्य के 23.19 लाख एनएफएसए लाभार्थियों ने उन्हें मिलने वाले गेहूं, चावल, चना दाल, चीनी और नमक सहित कुल 475 करोड़ रुपए का खाद्यान्न उचित मूल्य की दुकानों से प्राप्त कर लिया है। राज्य में अनाज वितरण की यह व्यवस्था 25 जून तक जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व लॉकडाउन के दौरान अप्रैल और मई महीने में भी एनएफएसए राशन कार्ड धारकों को निःशुल्क गेहूं, चावल, दाल, चीनी और नमक का वितरण करने की संवेदना प्रदर्शित की थी। जिसके अंतर्गत अप्रैल महीने में राज्य के कुल 68.80 लाख एनएफएसए लाभार्थियों में से 96 फीसदी यानी कि 65.72 लाख अंत्योदय व गरीब लोगों ने 506 करोड़ रुपए के बाजार मूल्य का गेहूं, चावल, दाल, चीनी और नमक समेत कुल 1.94 लाख मीट्रिक टन अनाज निःशुल्क प्राप्त किया था। उसके बाद मुख्यमंत्री ने मई महीने में भी ऐसे लाभार्थी परिवारों को निःशुल्क अनाज वितरण करने का निर्णय किया था ताकि लॉकडाउन की स्थिति में किसी भी व्यक्ति को भूखा न सोना पड़े। जिसके तहत 97 फीसदी एनएफएसए लाभार्थियों अर्थात 65.91 लाख परिवारों ने राज्य की 17 हजार उचित मूल्य की दुकानों से 475 करोड़ रुपए बाजार मूल्य का 1.87 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न निःशुल्क प्राप्त किया था।

इस तरह, राज्य के 68.80 लाख एनएफएसए कार्ड धारक लाभार्थियों को 981 करोड़ रुपए बाजार मूल्य का 3.81 लाख मीट्रिक टन अनाज अप्रैल और मई महीने में राज्य सरकार ने निःशुल्क प्रदान किया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सभी की भूख शांत करने की संवेदनशीलता के साथ राज्य में बसे ऐसे श्रमिकों को भी अनाज वितरण करने का निर्णय किया जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। ऐसे 6.38 लाख लाभार्थियों को अन्न ब्रह्म–आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत अप्रैल और मई महीने के दौरान गेहूं, चावल, चना दाल, चीनी और नमक सहित 13.76 करोड़ रुपए बाजार मूल्य का 4400 मीट्रिक टन अनाज भी निःशुल्क प्रदान किया गया।

शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करने पर महिला शिक्षिका को जान से मारने की धमकी

अहमदाबाद, शहर के इसनपुर क्षेत्र में अकेली रहनेवाली महिला शिक्षिका से उसके परिचित ने शारीरिक संबंध बनाने की मांग की शिक्षिका के इंकार करने पर परिचित ने उसे बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया! शिक्षिका की शिकायत पर इसनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है!

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के इसनपुर क्षेत्र में रहनेवाली महिला शहर की एक स्कूल में बतौर शिक्षिका सेवारत है!

अकेली रहनेवाली शिक्षिका करीब 10 वर्ष से भरत व्यास नामक शख्स को जानती हैद्य गत 15 जून को भरत व्यास शिक्षिका से मिलने उसके घर गया था! जहां भरत ने शिक्षिका से शारीरिक संबंध बनाने की मांग की!

शिक्षिका ने जब इसका विरोध किया तो भरत ने उसे बदनाम करने और जान से मारने की धमकी और वहां से भाग गया!

महिला शिक्षिका ने इसनपुर पुलिस थाने में भरत व्यास के खिलाफ रपट दर्ज करवाई है,

जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)